लखनऊ

शनिवार, 4 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 220

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जब आप खुद पर भरोसा करना सीख जाते हैं, तब दुनिया की कोई ताक़त आपको रोक नहीं सकती।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

'मालदा में हाल ही में हुई घटना एक सोची समझी साजिश थी', सीएम ममता ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि मालदा में हाल ही में हुई घटना एक सुनियोजित साजिश थी, जिसका उद्देश्य राज्य में अशांति फैलाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके लिए बाहर से लोगों को बुलाया गया था। हाजरीपाड़ा मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया, मालदा की घटना की जांच सीआईडी कर रही है। लोगों को मुंबई से लाया गया था और पूरी योजना पहले से तैयार की गई थी। जहां एनआईए उन्हें पकड़ने में नाकाम रही, वहीं हमारी सीआईडी ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, यह घटना उस समय हुई जब बड़ी संख्या में लोग चुनावी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि करीब 1.20 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं या हटाने की प्रक्रिया में हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है।

शशि थरूर और मनीष तिवारी को मिला इस कांग्रेस नेता का साथ, होर्मुज पर सरकार की नीतियों का किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बने तनाव के बीच कांग्रेस के भीतर एक और ऐसा बयान सामने आया है, जिसने पार्टी की राजनीतिक लाइन पर नई चर्चा छेड़ दी है। शशि थरूर और मनीष तिवारी के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने भी भारत सरकार की कूटनीतिक नीति का खुलकर समर्थन किया है। आनंद शर्मा ने कहा कि इस संकट के समय भारत के राजनयिक, दूतावास और अधिकारी बहुत मेहनत से काम कर रहे हैं और उनकी कोशिशों को राजनीतिक नजर से नहीं देखना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर दलगत राजनीति करना देशहित के खिलाफ होगा। आनंद शर्मा ने कहा कि भारत ने होर्मुज संकट को अब तक संतुलित और समझदारी भरे तरीके से संभाला है। उनके मुताबिक भारत उन गिने-चुने देशों में है, जहां सबसे अधिक जहाज या तो सुरक्षित निकल पाए हैं या उन्हें भारत की ओर मोड़ दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक भारतीय प्रवासी पूरी तरह सुरक्षित हैं। शर्मा ने जोर देकर कहा कि ऐसे संकट में देश के भीतर राष्ट्रीय सहमति और एकजुटता जरूरी होती है। उनका कहना था कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन जब देश, नागरिकों और विदेशों में काम कर रहे भारतीय अधिकारियों की बात हो, तब पूरे राजनीतिक नेतृत्व को एक सुर में बोलना चाहिए।

असम चुनाव में योगी आदित्यनाथ की हुंकार, एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालेगी एनडीए सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 3 अप्रैल को असम के बारपेटा में विधानसभा चुनावों से पहले एक जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच तीखा अंतर दिखाया। रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि एनडीए सरकार ने सुरक्षा और सुशासन सुनिश्चित करते हुए भारत की संस्कृति, परंपराओं और विरासत को मजबूत करने के लिए काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार गांवों, गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग को बिना किसी भेदभाव के विकास के लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

"दोहरे इंजन वाली सरकार" के प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि एनडीए ने एक दशक के भीतर असम को बदलने की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है और इसे राज्य के लिए पुनर्जागरण का दौर बताया। असम गण परिषद (अगप) उम्मीदवार दीपक कुमार दास के समर्थन में बारपेटा में एक रैली को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल के दौरान राज्य और उसके लोगों की रक्षा करने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि असम में कांग्रेस 60 वर्षों से सत्ता में थी। लेकिन इसने घुसपैठ, हिंसा और दंगों को ही बढ़ावा दिया। इसने स्थानीय संस्कृति और विरासत को खतरे में डाल दिया।

उन्होंने एआईयूडीएफ पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को प्रोत्साहित कर रही है और उसका लक्ष्य इनके समर्थन से सत्ता पाना है। आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और एआईयूडीएफ मिलकर राज्य की संस्कृति और विरासत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि राजग सरकार राज्य में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घुसपैठिये की पहचान करके उसे खदेड़ दिया जायेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राजग 'लव और लैंड जिहाद' तथा जनसांख्यिकी में किसी भी प्रकार का बदलाव सहन नहीं करेगा।

आदित्यनाथ ने कहा कि राजग ''विरासत-विकास'' को एक साथ सुनिश्चित करेगा, जैसा कि उसने उन राज्यों में किया है जहां वह सत्ता में है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में असम में एक बड़ा बदलाव आया है और मैं इस चुनाव में राजग के लिए आपके निरंतर समर्थन का आग्रह करता हूं। बारपेटा से अपने उम्मीदवार का नामांकन रद्द करने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ''चुनाव से पहले ही मैदान से भाग गई है''। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव नौ अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी।

आदिवासियों के लिए पीएम मोदी -हिमंता का 'रोडमैप' तैयार: अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसकी सरकार ने असम को घुसपैठियों के हाथों में सौंप दिया है। कामपुर और पलाशबारी में जनसभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि घुसपैठिए गरीबों की जमीन हड़प रहे हैं, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान सहित वन क्षेत्रों पर अतिक्रमण कर रहे हैं और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसरों से वंचित कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार ने असम भर में कथित अतिक्रमण से लगभग 1.5 लाख एकड़ जमीन मुक्त कराई है।

शाह ने मतदाताओं से भाजपा को फिर से चुनने का आग्रह करते हुए कहा कि नया जनादेश सरकार को पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त कराने में सक्षम बनाएगा। हिमंता बिस्वा सरमा का समर्थन करते हुए शाह ने मतदाताओं से उन्हें फिर से सत्ता में लाने की अपील की और वादा किया कि सरकार हर एक घुसपैठिए को जड़ से उखाड़ फेंकने के अपने प्रयासों को जारी रखेगी। अपने रुख को दोहराते हुए शाह ने कहा कि घुसपैठ गरीबों के अधिकारों को बुरी तरह प्रभावित कर रही है और राज्य के युवाओं के लिए अवसरों को सीमित कर रही है।

लपाड़ा जिले के दुधनोई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन मोदी ने इसे बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री हैं और यहां असम में मुख्यमंत्री हैं-दोनों के पास राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप है। अगर लोग भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश देते हैं, तो इसे (रोडमैप) आगे बढ़ाया जाएगा।

शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कभी आदिवासी कल्याण की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस की सरकारों ने आदिवासियों के विकास पर केवल 25,000 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में उनके लिए 1.38 लाख करोड़ रुपये दिए। गृह मंत्री ने ग्वालपाड़ा को 'मिनी असम' करार दिया, क्योंकि वहां राभा, बोडो, हाजोंग और कोच सहित कई जनजातियों के लोगों के अलावा आदिवासी चाय बागान श्रमिक रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि केवल भाजपा ही इन लोगों का विकास सुनिश्चित कर सकती है।

शाह ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों को डराने के लिए अफवाहें फैला रही है कि वे यूसीसी से प्रभावित होंगे, लेकिन यह बिल्कुल झूठ है और कोई भी आदिवासी इसके दायरे में नहीं आएगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ही वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने आदिवासियों की कला, संस्कृति, भोजन, वस्त्र, संगीत और नृत्य को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि हर आदिवासी परिवार को एक गाय और एक भैंस दी जाएगी। मैं सहकारिता मंत्री के रूप में इसे सुनिश्चित करूंगा।

'आपने समोसे के मुद्दे उठाए, सरकार से सवाल नहीं किए'

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (AAP) की ओर से अपने राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को सदन में पार्टी के उपनेता के पद से हटाए जाने की सिफारिश के बाद पार्टी में हलचल बढ़ गई है। पार्टी के फैसले के बाद कल राघव ने एक वीडियो पोस्ट किया और फिर आज शुक्रवार को पोस्ट कर कहा कि खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं। उनके इस संदेश के बाद पार्टी के कई बड़े नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जो लोग पार्टी लाइन के खिलाफ जाते हैं उन पर कार्रवाई होती ही है। राघव चड्ढा की ओर से की गई टिप्पणी के बाद आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने निशाना साधते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा, "I just want to say – "जो डर गया, समझो मर गया। हम सब लोग अरविंद केजरीवाल के सिपाही हैं।" वहीं AAP के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने सांसद चड्ढा पर कहा, पिछले कुछ सालों से, तुम खुद डरे हुए हो। तुम मोदी के खिलाफ बोलने में हिचकिचाते हो। तुम देश के असली मुद्दों पर बोलने में हिचकिचाते हो। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राघव चड्ढा के पोस्ट को लेकर कहा, "पार्टी का संसदीय बोर्ड का नेता बदलता रहता है। मैं भी जब संसद में था तब भी कुछ बदलाव किए गए थे और ये बदलाव होते रहते हैं।" उन्होंने कहा, "संसद में कई मुद्दे ऐसे भी होते हैं जिसमें सभी विरोधी पार्टियों को विपक्ष के साथ रहना पड़ता है। जब संसद में वॉकआउट करना होता है या किसी मुद्दे पर चर्चा करवानी होती है तो पार्टी लाइन के मुताबिक ही मुद्दों पर बात होती है लेकिन जब कोई सांसद ऐसा नहीं करता है तो ये पार्टी लाइन या व्हिप का उल्लंघन होता है। इसलिए उसके बाद कार्रवाई की जाती है।" उन्होंने कहा, "सही वोटों को काटे जाने का मुद्दा हो या गुजरात में हमारे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जाना हो, ऐसे मुद्दों को ना उठाकर जब कैंटीन में समोसे को सस्ते करने का मुद्दा उठाया जाता है।

केरलम चुनाव से पहले किरेन रिजिजू का बड़ा हमला, बोले- कांग्रेस-कम्युनिस्टों ने जनता को बेवकूफ बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। केरलम विधानसभा चुनाव से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ दोनों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने लंबे समय से राज्य की जनता को धोखा दिया है। 3 अप्रैल को बोलते हुए रिजिजू ने कहा कि पहली बार दोनों पार्टियां आम जनता के सामने बेनकाब हो गई हैं। रिजिजू ने कहा कि इस बार केरल में चुनाव बेहद दिलचस्प है क्योंकि पहली बार कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों का असली चेहरा सामने आ रहा है। इन्होंने लंबे समय तक केरल की जनता को बेवकूफ बनाया है। हर पांच साल में सत्ता बदलती है, लेकिन जनता की परवाह नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व

में हमारे पास केरल के लिए एक ठोस योजना है। भाजपा और एनडीए ने केरल के भविष्य के लिए एक स्पष्ट नीति पेश की है। मंत्री ने कांग्रेस और कम्युनिस्टों पर विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के संबंध में जनता को गुमराह करने और झूठी खबरें फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से मुस्लिम समुदाय को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है।

होर्मुज में सिर्फ हमारे नाविक मारे गए, ईरान युद्ध पर 60 देशों की बैठक में बोला भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के कारण ईरान के नियंत्रण में आए होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की मांग भारत ने जोरदार तरीके से की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ब्रिटेन द्वारा आयोजित एक बहुपक्षीय बैठक में कहा कि भारत इस संघर्ष में जलमार्ग पर अपने नागरिकों को खोने वाला एकमात्र देश है।

ब्रिटेन की पहल पर आयोजित इस बैठक में 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। बैठक का मुख्य मुद्दा होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और फ्री शिपिंग सुनिश्चित करना था, जिसकी वजह से वैश्विक तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया कि मिस्री ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में स्वतंत्र नौवहन के सिद्धांत पर जोर दिया। उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर संकट के प्रभाव को भी रेखांकित किया।

विदेश सचिव ने बैठक में स्पष्ट किया कि भारत अब तक होर्मुज क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हमलों में नाविकों को खोने वाला एकमात्र देश है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग के अनुसार, विदेशी झंडे वाले जहाजों पर सवार कम से कम तीन भारतीय नाविक मारे गए हैं और एक घायल हुआ है। कुछ जहाज अभी भी स्ट्रेट में फंसे हुए हैं।

मिस्री ने कहा कि क्षेत्र में अस्थिरता का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में से एक है और पश्चिम एशिया की घटनाएं देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं।

ये मनोबल गिराने की चाल, बंगाल में एसआईआर के काम में लगे सात अधिकारियों को बंधक बनाने पर एससी सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। प. बंगाल के मालदा जिले में वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। गुस्साए लोगों ने 7 न्यायिक अधिकारियों को करीब 9 घंटे तक बंधक बना लिया। इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताते हुए इसे बेहद निंदनीय बताया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना मालदा के कालियाचक इलाके में हुई, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक) के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। इनमें तीन महिला अधिकारी भी शामिल थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों को दोपहर से लेकर देर रात तक रोके रखा गया। करीब रात 1 बजे पुलिस और अर्धसैनिक बलों की बड़ी टीम मौके पर पहुंची और सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि वोटर लिस्ट से कई लोगों के नाम हटाए जाने के बाद इलाके में भारी विरोध शुरू हो गया। इसी दौरान गुस्साए लोगों ने मौके पर मौजूद न्यायिक अधिकारियों को घेर लिया और उन्हें जाने नहीं दिया। ये अधिकारी चुनाव से पहले मतदाता सूची के काम को समय पर पूरा करने में जुटे थे। बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है, इसलिए यह प्रक्रिया तेजी से चल रही थी।

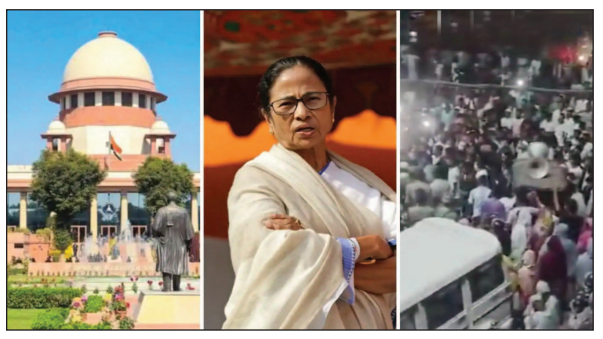

जब पुलिस अधिकारियों को निकालकर ले जा रही थी, तब प्रदर्शनकारियों ने उनके वाहनों पर हमला करने की कोशिश की। कुछ वीडियो में गाड़ियों के शीशे टूटे हुए नजर आए और पत्थरबाजी भी हुई। हालांकि, पुलिस ने हालात को काबू में करते हुए सभी अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया।

घटना के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल पुलिस के महानिदेशक से पूरी रिपोर्ट मांगी है। वहीं, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि यह घटना सत्ताधारी पार्टी के भड़काऊ बयानों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि स्ट्रक प्रक्रिया पूरे देश में चल रही है, लेकिन इस तरह का विरोध केवल पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा कि उनकी पार्टी कानून को हाथ में लेने में विश्वास नहीं करती। उन्होंने कहा कि इस घटना की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है और पार्टी केवल मतदाता सूची से नाम हटाने के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध कर रही है।

बंगाल, तमिलनाडु के चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए बुलाया गया 'स्पेशल सेशन', कांग्रेस का सरकार पर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनावों में "राजनीतिक फायदा उठाने" के लिए महिला कोटा कानून और डीलिमिटेशन से जुड़े बिल पास करने के लिए "स्पेशल सेशन" बुलाया है, जो चुनाव आचार संहिता का "बड़ा उल्लंघन" है। कांग्रेस के महासचिव (कम्युनिकेशन इंचार्ज) जयराम रमेश ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के पास होने के बाद सरकार 30 महीने तक "सोती" रही और चुनावी मौसम में "डबल क्रेडिट" लेने के लिए ऐसा किया।

उन्होंने कहा कि डीलिमिटेशन पर सरकार की तरफ से कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन या प्रस्ताव नहीं आया है। जयराम रमेश ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हालांकि, ऑफ द रिकॉर्ड, हमें पता चला कि लोकसभा सीटों में प्रोपोर्शनल बढ़ोतरी होगी।"

उन्होंने कहा कि दावा यह है कि यह प्रोपोर्शनल होगा लेकिन असलियत यह है कि छोटे राज्यों और दक्षिण, नॉर्थईस्ट और पश्चिम के राज्यों को बहुत ज्यादा नुकसान होगा। उन्होंने दावा किया कि प्रस्तावित बिल के साथ, उत्तर प्रदेश की संख्या 120 हो जाएगी, जबकि केरल ज्यादा से ज्यादा 40 तक ही पहुंच पाएगा।

चुनावी फायदा के लिए बुलाया गया विशेष सत्र

उन्होंने कहा, "तो हमने अनऑफिशियली जो सुना है, वह कई राज्यों के लिए बहुत खतरनाक होगा।" रमेश ने कहा, "इस स्पेशल सेशन का एकमात्र मकसद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनावों पर असर डालने के लिए पॉलिटिकल फायदा उठाना है। क्या इसे 15 दिन बाद नहीं बुलाया जा सकता था?"

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी 16 अप्रैल से पहले सीनियर कांग्रेस सांसदों की मीटिंग बुलाएंगे और फिर इस पर रणनीति बनाने के लिए दूसरे विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। रमेश ने कहा कि यह सरकार "नैरेटिव मैनेजमेंट" पर काम करती है। वे "स्पेशल सेशन" बुलाना चाहते हैं क्योंकि वे राजनीतिक और विदेश नीति नैरेटिव खो रहे हैं।

कांग्रेस ने सरकार को दिया था ये प्रस्ताव

चुनावी मौसम में सरकार और विपक्ष के बीच यह सबसे नया टकराव होने की उम्मीद है, जहां सरकार महिला आरक्षण बिल या नारी वंदन अधिनियम, 2023 में बदलाव करने सहित बिल पास करने को लेकर उत्सुक है, वहीं विपक्ष ने केंद्र पर राज्य चुनावों में राजनीतिक फायदा उठाने के लिए जल्दबाजी में बदलाव करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

दोनों सदन 16 अप्रैल को फिर से शुरू होंगे, सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित कानूनों पर चर्चा के लिए यह बैठक शायद तीन दिनों तक चलेगी। उन्होंने कहा, "सरकार ने कहा है कि दोनों सदन 16,17 और 18 अप्रैल को मिलेंगे और एक स्पेशल सेशन होगा। पहली बात यह है कि पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर किरेन रिजिजू ने 16 मार्च को कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखा कि सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बदलाव करने के लिए कांग्रेस से बात करना चाहती है। खरगे ने जवाब दिया कि सभी पार्टियों को एक साथ बैठाकर एक ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाई जाए क्योंकि सरकार फूट डालो और राज करो में विश्वास करती है।

सरकार के फैसले को कांग्रेस ने बताया एकतरफा

उन्होंने कहा, "दो दिन बाद 26 मार्च को रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष को लिखा कि कांग्रेस को हमसे मिलना चाहिए और कॉन्स्टिट्यूशनल बदलाव पर बात करनी चाहिए। आधे घंटे बाद, खरगे ने रिजिजू को जवाब दिया और 29 अप्रैल के बाद ऑल पार्टी मीटिंग की मांग दोहराई।" रमेश ने कहा कि सरकार ने केरल और असम चुनाव से पहले अप्रैल की शुरुआत में एक "स्पेशल सेशन" बुलाने का मन बना लिया था, लेकिन कुछ समय तक लेटर एक्सचेंज चलने की वजह से उनकी कोशिश नाकाम हो गई।

13 प्लेटफॉर्म वाला रेलवे टर्मिनल, ISBT और मेट्रो स्टेशन... ग्रेटर नोएडा की सूरत बदलेगा ये मेगा प्लान, इन गांवों की बदलेगी किस्मत

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के परिवहन ढांचे में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। रेल मंत्रालय और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बोड़ाकी को नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल के एक बड़े विकल्प के रूप में विकसित करने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। इस महात्वाकांक्षी परियोजना के लिए अब पहले से कहीं अधिक जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा, जिससे यह क्षेत्र उत्तर भारत का एक प्रमुख ट्रांजिट हब बनकर उभरेगा।

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद इस प्रोजेक्ट के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया गया है। पहले यहां केवल 39 एकड़ जमीन पर यात्री सुविधाओं का विस्तार होना था, लेकिन भविष्य की जरूरतों और आनंद विहार पर बढ़ते दबाव को देखते हुए अब इसमें 99 एकड़ का इजाफा किया गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के अनुसार, अब इस पूरे टर्मिनल परिसर के लिए कुल 138 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। संशोधित योजना के तहत यहां यात्रियों के लिए 13 प्लेटफॉर्म और लगभग 63 यार्ड लाइनें बनाई जाएंगी। यह ढांचा इतना विशाल होगा कि यहां से वंदे भारत, राजधानी और अन्य सुपरफास्ट एक्सप्रेस सहित 100 से अधिक ट्रेनें संचालित हो सकेंगी।

सात गांवों की जमीन होगी अधिगृहीत

इस विशाल परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए प्राधिकरण ने आसपास के सात प्रमुख गांवों में जमीन खरीद की प्रक्रिया तेज कर दी है। रेल संशोधन अधिनियम 2008 की धारा 20ए के तहत चमरावली, बोड़ाकी, दादरी, तिलपता करनवास, पाली, पल्ला और चमरावली रामगढ़ गांवों की जमीन अधिगृहीत की जाएगी। इस अधिग्रहण से लगभग एक हजार से अधिक किसान प्रभावित होंगे। प्राधिकरण प्रभावित किसानों के लिए मुआवजे की नई दरें तय कर रहा है। साथ ही, किसानों को विकसित सेक्टरों में 6 प्रतिशत भूखंड (प्लाट) देने का विकल्प भी दिया जाएगा। किसानों को जमीन के बदले जमीन देने के लिए प्राधिकरण अलग से करीब 250 एकड़ जमीन खरीदेगा।

मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब

बोड़ाकी केवल एक रेलवे स्टेशन नहीं होगा, बल्कि यह एक इंटीग्रेटेड मल्टीमॉडल ट्रांजिट हब (MMTH) होगा। यहां यात्रियों को एक ही परिसर में तीन तरह की परिवहन सुविधाएं मिलेंगी।

रेलवे टर्मिनल: 13 प्लेटफॉर्म के साथ देश के विभिन्न हिस्सों के लिए ट्रेनें।

इंटरस्टेट बस टर्मिनल (ISBT): यहां से पड़ोसी राज्यों के लिए सीधी बस सेवा मिलेगी।

मेट्रो कनेक्टिविटी: नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (NMRC) की एक्वा लाइन के डिपो स्टेशन से बोड़ाकी तक मेट्रो का विस्तार किया जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट और औद्योगिक निवेश को मिलेगा बूस्ट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के शुरू होने से इस क्षेत्र में यात्रियों की संख्या में भारी उछाल आने की उम्मीद है। बोड़ाकी टर्मिनल को जेवर एयरपोर्ट और यमुना सिटी से सीधे जोड़ने की योजना है। इससे गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के यात्रियों को लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ने के लिए दिल्ली जाने की जरूरत नहीं होगी। साथ ही, यहां विकसित हो रहे मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब के फेज-2 के तहत भारी निवेश की तैयारी है। फेज-1 के लिए टेंडर प्रक्रिया पहले से जारी है, जिसमें करीब 358 एकड़ में 1700 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

आनंद विहार का बोझ होगा कम

रेलवे चेयरमैन के सुझाव के अनुसार, भविष्य में आनंद विहार टर्मिनल के पास नई ट्रेनों या अतिरिक्त संसाधनों के लिए जगह नहीं बचेगी। ऐसे में बोड़ाकी एक सैटेलाइट टर्मिनल के रूप में दिल्ली के स्टेशनों का बोझ कम करेगा। 105 मीटर चौड़ी सड़क का विस्तार और लॉजिस्टिक हब के साथ जुड़ने से यह इलाका आने वाले समय में उत्तर भारत के सबसे बड़े कमर्शियल और ट्रांसपोर्ट सेंटर के रूप में पहचाना जाएगा।

डॉ. अलका सिंह को पीएचडी की उपाधि, क्षेत्र में खुशी की लहर

सुल्तानपुर। जनपद के लिए गर्व की बात है कि डॉ. अलका सिंह को कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। उन्हें यह उपाधि पीके यूनिवर्सिटी, शिवपुरी (मध्य प्रदेश) द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. रविंद्र सिंह यादव के निर्देशन में पौधों पर आधारित कैंसररोधी एजेंटों के डिजाइन हेतु सगणकीय मॉडल निर्माण पूर्ण किया।

डॉ. अलका सिंह वर्तमान में केएनआईटी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे जनपद में खुशी का माहौल है। पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर उनके मित्रों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मैनपुरी में शादी से लौटते समय गाड़ी ने मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत... रात भर शवों के ऊपर गुजरते रहे वाहन

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी शादी के कार्यक्रम से लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हो गया। किशनी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से परिवार के दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान 34 वर्षीय मोहम्मद वसीम और 50 वर्षीय सत्तार के रूप में हुई है। दोनों कन्नौज के छिबरामऊ निवासी थे। घायल व्यक्ति 35 वर्षीय आफताब छिबरामऊ के गिरीश गंज का रहने वाला है। ये सभी किशनी के जटपुरा में इदरीश की बेटी की शादी में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे।

रात करीब 10:30 बजे वे किशनी नगर से लगभग दो किलोमीटर दूर पॉलिटेक्निक कॉलेज के सामने पहुंचे थे, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। भीषण टक्कर से वसीम और सत्तार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक बेवर की तरफ फरार हो गया।

दुर्घटना के बाद पॉलिटेक्निक कॉलेज के चौकीदार और ग्रामीण तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने डायल 112 को सूचना दी। गांव के लोगों ने टॉर्च दिखाकर अन्य वाहनों को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सड़क के बीच और सुनसान जगह होने के कारण कुछ वाहन शवों को कुचलते हुए निकल गए, जिससे शव क्षत-विक्षत हो गए।

सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष छत्रपाल सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लिया और घायल आफताब उर्फ छोटे को तत्काल सीएचसी पहुंचाया। आफताब की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सैफई स्थित मिनी पीजीआई रेफर कर दिया।

मृतक वसीम की पहचान उसकी जेब से मिले ड्राइविंग लाइसेंस से हुई। पुलिस ने उसके भाई नदीम को फोन पर घटना की सूचना दी। नदीम ने बताया कि वे जटपुरा से साथ ही निकले थे, लेकिन वसीम के समूह ने महिला साथ होने के कारण उन्हें आगे चलने को कहा था।

छिबरामऊ पहुंचने पर जब वे काफी देर तक घर नहीं आए तो चिंता हुई और वसीम के नंबर पर फोन करने पर पुलिस ने घटना की जानकारी दी। देर रात परिजन सैफई के लिए रवाना हो गए। पुलिस टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

Reel बनाने के चक्कर में लगाई थी नदी में छलांग, डूबकर मौत चार दोस्तों के शव बरामद, पांचवे ने ऐसे बचाई जान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। बुधवार को राप्ती नदी के मिर्जापुर घाट पर रील बनाने और नहाने के दौरान डूबे चारों दोस्तों के शव पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। शुक्रवार की सुबह नदी में तीन किशोरों के शव उतराते मिले, जिसके बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया। इंस्टाग्राम रील के चक्कर में अपनी जान गंवाने वाले इन बच्चों की उम्र महज 13 से 15 वर्ष के बीच थी।

घटना बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे की है। रानीडीहा और आसपास के रहने वाले पांच दोस्त, अमन उर्फ बीरू (15), विवेक निषाद (15), गगन पासवान (15), अनिकेत यादव (13) और उनका एक साथी राजकरन उर्फ टाइमपास अपनी साइकिलों से स्टंट करते हुए और वीडियो बनाते हुए मिर्जापुर घाट पहुंचे थे।

घाट पर पहुंचने के बाद इन सभी का मन नदी में नहाने और पानी के बीच रील बनाने का हुआ। मस्ती के आलम में ये पांचों दोस्त नदी के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। इस बीच राजकरन उर्फ टाइमपास ने किसी तरह हिम्मत जुटाई और तैरकर अपनी जान बचाई।

NDRF और SDRF का 48 घंटे चला सर्च ऑपरेशन

राजकरन ने बाहर निकलकर तुरंत अपने साथियों के परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को घाट पर चार साइकिलें, बच्चों के कपड़े और मोबाइल फोन बरामद हुए। प्रशासन ने तत्काल NDRF और SDRF की टीमों को सर्च ऑपरेशन में लगा दिया। बुधवार रात को अंधेरा होने तक कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार शाम को घटना स्थल से करीब 100 मीटर की दूरी पर विवेक निषाद का शव बरामद हुआ। फिर शुक्रवार सुबह राप्ती नदी की लहरों पर बाकी तीनों किशोरों (अमन, गगन और अनिकेत) के शव उतराते हुए दिखे।

परिजनों की चीख-पुकार से नम हुईं सबकी आंखें

शुक्रवार सुबह जैसे ही तीनों शवों को गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया, घाट पर मौजूद सैकड़ों ग्रामीणों और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। अपने कलेजे के टुकड़ों के बेजान शरीर देख माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल था। वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम थीं। पुलिस ने चारों शवों का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

450 जरूरतमंदों को किया गया भोजन वितरित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनसेवा और मानवता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा संचालित निःशुल्क रसोई के तहत गुरुवार को जिले के विभिन्न स्थानों पर 450 जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जिला चिकित्सालय और रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में मरीजों, तीमारदारों, यात्रियों और असहाय लोगों को भोजन कराया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में नवागत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अविनाश गुप्ता ने जरूरतमंदों को भोजन की थाली वितरित कर किया। उन्होंने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि कई वर्षों से संस्था द्वारा निःस्वार्थ भाव से मरीजों और उनके तीमारदारों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जो अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक कार्य है। रेलवे स्टेशन परिसर में वरिष्ठ टिकट निरीक्षक परतेश्वर सिंह ने भोजन वितरण कर कार्यक्रम की शुरुआत कराई। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों ने भोजन प्राप्त कर संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था के संस्थापक निजाम खान ने बताया कि यह सेवा कार्य पूरी तरह जनसहयोग से संचालित हो रहा है और प्रत्येक सप्ताह जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इस बार भोजन में अरहर की दाल, मौसमी सब्जी, रोटी और चावल वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज परिसर में 320 तथा रेलवे स्टेशन परिसर में 130 लोगों को भोजन कराया गया।

इस सेवा कार्य में जियाउल कमर सिद्दीकी, नफीसा बानो, हाजी मुज्तबा अंसारी, सरदार गुरुप्रीत सिंह, अब्दुल वदूद, आदिल हसन, यूसुफ पठान, बैजनाथ प्रजापति और माता प्रसाद जायसवाल सहित कई समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा।

119 एकड़ में बनेगा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

सुल्तानपुर। वर्षों से औद्योगिक सूखा झेल रहे सुल्तानपुर को आखिरकार विकास की एक बूंद नसीब होने जा रही है। लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर सरैयापूरे विसेन और ऊंचगांव में करीब 119 एकड़ में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। कहने को यह उपलब्धि क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह के लंबे प्रयासों का नतीजा है लेकिन सवाल यह भी है कि जब पड़ोसी जिले दौड़ लगा रहे थे, तब सुल्तानपुर आखिर किस फाइल में दबा पड़ा था। दरअसल अमेठी अलग जिले के रूप में निकलने के बाद से सुल्तानपुर की औद्योगिक पहचान लगभग शून्य हो चुकी थी। ऐसे में अब यूपीसीडा के सीईओ विजय किरण आनंद के पत्र के बाद उम्मीद की एक नई फाइल खुली है जिसमें निर्देश दिए गए हैं कि जमीन का मूल्य तय हो, नोडल अधिकारी बने और कागज़ी पहिए आगे घूमें। विधायक विनोद सिंह ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है और प्रशासनिक अधिकारियों की सराहना की है।

'कोई ठीक सी महिला लाओ, वनकर्मियों पर रेप केस दर्ज कराओ, तभी...'

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने कानून व्यवस्था और किसान संगठनों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के एक जिला स्तरीय पदाधिकारी का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। इसमें वह लकड़ी तस्करों को बचाने के लिए वनकर्मियों पर रेप का झूठा मुकदमा दर्ज कराने की साजिश रचते नजर आ रहे हैं।

प्रसारित वीडियो में भाकियू के जिला उपाध्यक्ष मदन सिंह राणा अपने कार्यकर्ताओं के साथ वन विभाग की टीम को घेरे हुए दिख रहे हैं। वीडियो में उन्हें साफ तौर पर यह कहते सुना जा सकता है- कोई ठीक सी महिला लाकर वनकर्मियों पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करा दो। इन पर मुकदमे दर्ज होंगे, तभी इन्हें अक्ल आएगी और ये बाज आएंगे। यह बयान उस वक्त दिया गया जब वन विभाग की टीम अवैध लकड़ी के साथ पकड़े गए माफिया को ले जाने की कोशिश कर रही थी। वन विभाग ने इस वीडियो को साक्ष्य के तौर पर शासन और उच्चाधिकारियों को भेज दिया है।

लकड़ी तस्कर को छुड़ाने के लिए सीनाजोरी

घटनाक्रम के अनुसार, बुधवार को वन विभाग की टीम ने अफजलगढ़ क्षेत्र में अवैध लकड़ी से लदी एक पिकअप वैन को घेरा था। पकड़े जाने के डर से तस्करों ने मीरापुर चौराहे के पास लकड़ी खाली कर दी थी, लेकिन टीम ने आरोपी शमशेर और लखबीर सिंह को दबोच लिया। जैसे ही टीम आरोपियों को लेकर रवाना हुई, भाकियू जिला उपाध्यक्ष मदन सिंह राणा अपने समर्थकों के साथ रेहड़ के सेंटर चौराहे पर पहुंच गए। वहां उन्होंने न केवल वनकर्मियों से गाली-गलौज की, बल्कि सरकारी काम में बाधा डालते हुए आरोपी शमशेर को जबरन छुड़ा लिया। बिजनौर डीएफओ जय सिंह कुशवाहा ने इस कृत्य को चोरी ऊपर से सीनाजोरी करार दिया है।

पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की सफाई

वीडियो के आधार पर अफजलगढ़ और रेहड़ थानों में तहरीर दी गई थी। अफजलगढ़ सर्किल के सीओ आलोक सिंह ने पुष्टि की है कि लकड़ी माफिया शमशेर, लखबीर सिंह और भाकियू नेता मदन सिंह राणा के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं, इस विवाद पर मदन सिंह राणा का कहना है कि वो किसानों के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि रेप का मुकदमा दर्ज कराने वाली बात केवल वनकर्मियों को डराने-धमकाने के लिए कही गई थी। हालांकि, पुलिस का कहना है कि कानून को हाथ में लेने और झूठी साजिश रचने वालों के खिलाफ कड़ी विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्ट मीटर के जरिये सरकार गरीब जनता का शोषण कर रही- अशोक बिसेन

सुल्तानपुर। स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की अनिवार्य स्थापना, गैस सिलेंडरों की किल्लत और कालाबाजारी के मुद्दे को लेकर समाजवादी अधिवक्ता सभा ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से आम जनता, किसान, गरीब और पिछड़े वर्ग आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं। समाजवादी अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन एडवोकेट ने कहा कि बिजली विभाग मनमाने ढंग से बिजली बिल वसूल रहा है और उपभोक्ताओं की अनुमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर चुनने का अधिकार है, लेकिन सरकार की नीति से आम जनता परेशान है और उन्हें लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि स्मार्ट मीटरों की कथित गलत नीति को तत्काल बंद किया जाए और बिना अनुमति लगाए गए प्रीपेड मीटरों को हटाया जाए।

पत्नी को पीटकर किया अधमरा, फिर दांतों से काटी नाक, गाल का मांस भी काटा... लगे इतने टांके

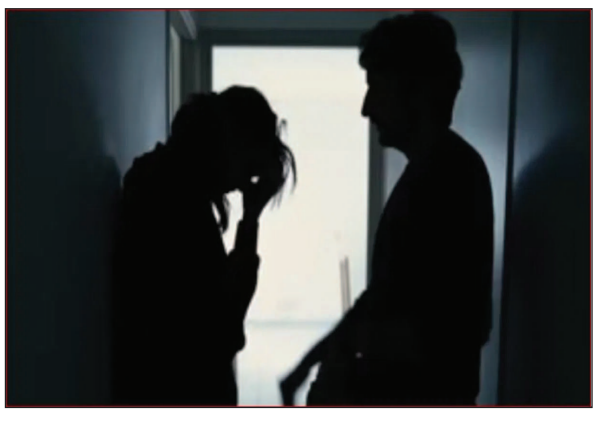

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से घरेलू हिंसा का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए अपनी पत्नी को न केवल बेरहमी से पीटा, बल्कि गुस्से में उसके गालों और नाक को अपने दांतों से बुरी तरह काट लिया। जख्म इतने गहरे हैं कि महिला की नाक का मांस कटकर अलग हो गया है। घटना चिकासी थाना क्षेत्र के बिरहट गांव की है।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, अमरुद्दीन नामक व्यक्ति ने बताया कि उसकी बहन पाना का निकाह राठ कोतवाली क्षेत्र के टोला गांव निवासी फूल खान के साथ हुआ था। निकाह के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर मनमुटाव और तकरार होती रहती थी।

विवाद के बाद दी दरिंदगी को अंजाम

बुधवार की रात किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि फूल खान ने आपा खो दिया। आरोप है कि उसने पहले पाना को अधमरा होने तक पीटा। जब वह निढाल हो गई, तो फूल खान ने दरिंदगी दिखाते हुए उसके चेहरे पर हमला कर दिया। उसने अपने दांतों से पाना की नाक और गालों को इतनी जोर से काटा कि मांस के टुकड़े अलग हो गए।

प्लास्टिक सर्जरी की नौबत, झांसी रेफर

गंभीर रूप से लहूलुहान पाना को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, पाना के गाल पर 10 टांके लगाने पड़े हैं। नाक का हिस्सा बुरी तरह कट जाने के कारण अब उसकी प्लास्टिक सर्जरी करानी होगी।

पुलिस की कार्रवाई

चिकासी थाना पुलिस ने अमरुद्दीन की तहरीर पर आरोपी पति फूल खान और उसके पिता हबीब के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अपने बच्चों को परिषदीय विद्यालय में ही भेजे अभिभावक-अर्चना द्विवेदी

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय शिक्षा क्षेत्र के अन्तर्गत कंपोजिट विद्यालय बल्दीराय में स्कूल चलो अभियान एवं अभिभावक संपर्क अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। साथ ही संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत शपथ कार्यक्रम भी कराया गया। रैली का नेतृत्व प्रभारी प्रधानाध्यापक अर्चना द्विवेदी ने किया। इस दौरान सहायक अध्यापक अंजलि विश्वकर्मा, अवधराज उपाध्याय, सत्येंद्र श्रीवास्तव, विपिन कुमार, मृदुल शर्मा एवं शिक्षामित्र स्नेह लता सिंह उपस्थित रहीं। बल्दीराय कस्बे के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान शिक्षकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया और बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराने तथा नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। रैली में "सब पढ़ें, सब बढ़ें" और "स्कूल चलो अभियान" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

कानपुर किडनी कांड : उस रात को होने थे दो ट्रांसप्लांट... एक करने के बाद ही क्यों भागे डॉक्टर्स... क्या था डर?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर कानपुर के सनसनीखेज किडनी कांड में रोज नए खुलासे हो रहे है। पुलिस सूत्रों की माने तो घटना वाली रात को एक नहीं, बल्कि दो किडनी ट्रांसप्लांट होने थे। किसी वजह से गैंग के डॉक्टर्स और अन्य लोगों को यह एहसास हो गया कि पुलिस तक बात पहुंच गई है तो वो लोग फरार हो गए।

कानपुर में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट के संगठित रैकेट का पर्दाफाश हुआ था। आहूजा हॉस्पिटल में पारुल तोमर (मरीज) का अवैध किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था। डोनर आयुष को मात्र 9।5 से 10 लाख रुपये में किडनी देने का लालच देकर फंसाया गया, जबकि मरीज के परिजनों से 60 लाख रुपये तक वसूले गए। पूरे रैकेट में किडनी खरीद-बिक्री का मुनाफा 50 लाख रुपये प्रति ऑपरेशन तक बताया जा रहा है। पुलिस का अनुमान है कि इस गिरोह ने अब तक 40 से 50 ऐसे

अवैध ट्रांसप्लांट कराए हैं, जिनमें विदेशी नागरिक भी शामिल हो सकते हैं।

इन अस्पतालों में हुई थी छापेमारी

मामला तब सामने आया जब आयुष को भुगतान में धोखाधड़ी का शिकार होने पर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद कल्यानपुर-रावतपुर क्षेत्र के आहूजा हॉस्पिटल, मेड लाइफ हॉस्पिटल और प्रिया हॉस्पिटल पर छापेमारी की गई। छापे के दौरान डॉक्टर दंपति डॉ। प्रीति आहूजा (आईएमए की उपाध्यक्ष) और उनके पति डॉ। सुरजीत सिंह आहूजा समेत अन्य आरोपियों को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस मामले में पुलिस ने गुरुवार को दो ओटी तकनीशियन को भी गिरफ्तार किया जो एनसीआर के अस्पतालों में काम करते थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के दौरान पता चला है कि उस रात को एक और किडनी ट्रांसप्लांट होना था। किसी तरह से गिरोह के सदस्यों को शक हो गया कि आयुष ने पुलिस में जानकारी दे दी है तो उसके बाद बिना दूसरा ट्रांसप्लांट किए सभी डॉक्टर और अन्य लोग मौके से भाग खड़े हुए।

29 मार्च को हुआ था किडनी ट्रांसप्लांट

अब पुलिस इस बात का पता करने की कोशिश कर रही है कि दूसरे किडनी ट्रांसप्लांट की बात में कितनी सच्चाई है और अगर बात सही है तो उसके डोनर और रिसीवर कौन थे। 29 मार्च को पारुल तोमर को आयुष की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। देहरादून में छात्र एमबीए की पढ़ाई

'कांग्रेस घुसपैठ व दंगा कराती थी, भाजपा निकाल बाहर करती है, यूपी में सड़कों पर नमाज नहीं होती'

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। असम में भाजपा के पक्ष में प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा घुसपैठ व दंगा कराने का काम किया, लेकिन भाजपा ऐसा करने वालों को निकाल बाहर करती है। पहले नौजवानों के हक पर घुसपैठिए काबिज होते थे, असम के लोगों का राशन डकार जाते थे, लेकिन अब सरकार असम के हर नागरिक को उसका हक दिलाने की गारंटी ले रही है। शुक्रवार को बरछला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ऋतु बरन सरमा के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस व यूडीएफ के अघोषित समझौते के कारण असमिया जाति, माटी व बेटी के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ।

उन्होंने तुष्टिकरण की नीति पर चलकर असमिया पहचान को समाप्त करने का प्रयास किया। असम के नागरिकों, बहनों के हक पर घुसपैठियों के जरिये डकैती डलवाई। जब पीएम मोदी के नेतृत्व में दिल्ली और असम में पहले सर्वानंद सोनोवाल, फिर हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी तो असम चाय के साथ अब चिप उत्पादन का नया केंद्र भी बन गया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार असमिया संगीत-संस्कृति, महापुरुषों, महानायकों और योद्धाओं को सम्मान दे रही है। असम के लोगों को राशन, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्कीम के तहत हर गरीब को पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य सुविधा, प्रधानमंत्री आवास, नौजवानों को रोजगार-नौकरी मिल रही है। चाय बागान में काम करने वाली बहनों, कारीगरों, नौजवानों के लिए स्पेशल पैकेज की व्यवस्था है। योगी ने कहा कि असम के लोगों का संरक्षण होगा और एक-एक घुसपैठिए को निकाल बाहर करेंगे। उत्तर प्रदेश में पहले हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा व कर्फ्यू लगता था। वहां नौ वर्ष में न कर्फ्यू, न दंगा है, सब चंगा है। 500 वर्ष में जो काम नहीं हो पाया, वह काम भी अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण के रूप में हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में उग्रवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद नहीं है, वहां सड़कों पर नमाज भी नहीं पढ़ी जाती है। सरकार लव जेहाद, लैंड जेहाद का सफाया करने को संकल्पित है। आरोप लगाया कि कांग्रेस व यूडीएफ को देश की कीमत पर वोट चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 साल में पूर्वोत्तर भारत की 78 और असम की 36 यात्राएं की हैं, तब शांति, सुरक्षा व सुशासन का माहौल तैयार हुआ है।

60 वर्ष में कांग्रेस उचित कनेक्टिविटी नहीं दे पाई, लेकिन आज पूर्वोत्तर के हर राज्य तक रोड, रेलवे, एयर व इनलैंड वाटरवे की कनेक्टिविटी है। पहले मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं थे, लेकिन डबल इंजन सरकार ने एम्स, आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी दिया है।

योगी की झलक पाने के लिए पेड़ों पर चढ़े युवा

असम में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जादू चला। बरछला जनसभा में सीएम योगी को देखने व सुनने के लिए जबरदस्त भीड़ उमड़ी। खासतौर पर युवा पेड़ों व वाहनों पर चढ़कर योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने का प्रयास करते रहे। इस दौरान 'बुलडोजर बाबा की जय' नारे भी लगे। जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को असमिया टोपी (जापी) व असमिया ढोल भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने यह टोपी पहन कर असमिया ढोल बजाने का भी आनंद लिया।

मऊ में तमसा नदी पर हनुमान सेतु पीपा पुल का लोकार्पण, 30 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा लाभ

» पीपा पुल केवल एक अस्थायी व्यवस्था नहीं है, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत शुरुआत है

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने अपने मऊ भ्रमण के दौरान देर रात तमसा नदी स्थित हनुमान घाट पर निर्मित हनुमान सेतु पीपा पुल का विधिवत लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ए.के. शर्मा ने क्षेत्र की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह पीपा पुल केवल एक अस्थायी व्यवस्था नहीं है, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत शुरुआत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता इस स्थान पर शीघ्र ही एक स्थायी एवं मजबूत पक्का पुल का निर्माण कराना है, जिससे आने वाले वर्षों में क्षेत्र के लोगों को और अधिक सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस पुल के बन जाने से लगभग 30 हजार से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए आवागमन अब बेहद सरल और सुगम हो जाएगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य तथा व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी मजबूती प्रदान करेगा।अपने संबोधन में ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास की रोशनी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में इस क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति तथा बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नगर विकास विभाग द्वारा स्थापित आधुनिक स्ट्रीट लाइटों की गुणवत्ता की सराहना मुख्यमंत्री द्वारा भी की गई है, जो विभाग के कार्यों की पारदर्शिता और गुणवत्ता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि जो क्षेत्र अब तक विकास से अछूते रह गए थे, वहां भी तेजी से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को हर नागरिक तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नागरिकों ने मंत्री ए.के. शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में विकास की नई गति आई है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने वाला युवक गिरफ्तार, पीड़िता सकुशल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पीड़िता को पूर्व में ही सकुशल बरामद कर लिया था तथा गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 मार्च 2026 को शिकायतकर्ता द्वारा थाना मोहनलालगंज पर सूचना दी गई कि उसकी लगभग 17 वर्षीय बहन को 30/31 मार्च 2026 की रात्रि में आकाश पुत्र लल्लू निवासी ग्राम शिवधरा थाना मोहनलालगंज द्वारा बहला-फुसलाकर घर से भगा ले जाया गया है। शिकायत के आधार पर थाना मोहनलालगंज पर तत्काल मु0अ0सं0 122/26 धारा 87/137(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता की बरामदगी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए 02 अप्रैल 2026 को पीड़िता को थाना मोहनलालगंज क्षेत्र से ही सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार तलाश की जा रही थी।इसी क्रम में 03 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना मोहनलालगंज पुलिस टीम ने धर्मावतखेड़ा मोड़, थाना मोहनलालगंज क्षेत्र से नियमानुसार अभियुक्त आकाश पुत्र लल्लू निवासी ग्राम शिवढरा थाना मोहनलालगंज, उम्र करीब 19 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।

यातायात सिपाही से अभद्रता करने वाला आरोपी गिरफ्तार, शांति भंग की आशंका पर पुलिस ने की कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना महानगर पुलिस टीम ने यातायात व्यवस्था में तैनात आरक्षी के साथ ऑन ड्यूटी अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और वर्दी पर हाथ लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा दोबारा हंगामा करने और शांति व्यवस्था भंग करने की आशंका के चलते पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 02 अप्रैल 2026 को हनुमान सेतु मंदिर, न्यू हैदराबाद महानगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में तैनात एक यातायात आरक्षी के साथ सुशांत वर्मा पुत्र अवनीश वर्मा निवासी 417/664 नेवाजगंज बसंत बिहार कॉलोनी थाना ठाकुरगंज, लखनऊ उम्र करीब 30 वर्ष द्वारा ऑन ड्यूटी अभद्र व्यवहार किया गया। आरोपी ने सिपाही के साथ गाली-गलौज की तथा वर्दी पर

हाथ लगाने जैसा आपराधिक कृत्य किया। इस संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना महानगर में मुकदमा पंजीकृत किया गया।घटना की विवेचना के दौरान आरोपी को बयान के लिए बुलाया गया था। इसी क्रम में वह अपने भाई ऋषभ वर्मा के साथ खाटू श्याम मंदिर के पास पहुंचा। पूछताछ के दौरान आरोपी अचानक आक्रोशित हो गया और जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसने सिपाही को धमकी देते हुए कहा कि वह उसे देख लेगा और उसका अंजाम ठीक नहीं होगा। आरोपी के इस व्यवहार से आसपास के लोग रुक गए और मौके पर भीड़ इकट्ठा होने लगी, जिससे शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका उत्पन्न हो गई।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना महानगर पुलिस टीम ने शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा संभावित संज्ञेय अपराध को रोकने के उद्देश्य से आरोपी को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत कारण गिरफ्तारी से अवगत कराते हुए खाटू श्याम मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध मु0अ0सं0 56/26 धारा 132/281/352/115(2) बीएनएस थाना महानगर, लखनऊ में अभियोग पंजीकृत है। इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक अरूण प्रताप सरोज एवं उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार की टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

• संक्षेप •

लखनऊ में स्कॉर्पियो कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, किशोर की हालत गंभीर

लखनऊ। मोहनलालगंज में तेज रफ्तार स्कार्पियो कार ने मासूम को टक्कर मार दी। किशोर को इलाज के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई। पीड़िता की मां ने स्कॉर्पियो चालक के विरुद्ध पुलिस की तहरीर दी जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मोहनलालगंज के उत्तरगांव निवासी पुष्पा का बेटा अर्पित चौरसिया 12 वर्ष गांव के ही संजू के साथ उसकी मोटरसाइकिल से अंबालिका इंजीनियरिंग कॉलेज के पास एक दुकान से सामान लेने जा रहा था इस दौरान काले रंग की स्कॉर्पियो ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद अर्पित उछलकर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया,परिजनों ने उसे मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उसकी हालत को देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर भेज दिया गया है। वहीं कार की टक्कर से बाइक चला रहे संजू को मामूली चोटे ही आई है।

एआई अवेयरनेस प्रोग्राम यूपी बोर्ड के विद्यार्थियों की बढ़ाएगा समझ, 15 अप्रैल से ट्रेनिंग शुरू

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक पार्थ सारथी सेन शर्मा के आदेश के बाद सभी कॉलेजों में विद्यार्थियों का आवेदन कराने की जिम्मेदारी प्रधानाचार्यों की तय की गई है। इस संबंध में संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक डॉ. प्रदीप कुमार ने लखनऊ के साथ-साथ रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर, उन्नाव, हरदोई के जिला विद्यार्थियों को निरीक्षकों को निर्देश दिया है कि सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों के आवेदन कराए जाएं। एआई अवेयरनेस प्रोग्राम के लिए नि:शुल्क पंजीकरण 15 अप्रैल तक होंगे। 20 घंटे इस प्रोग्राम में अवधि है। इससे विद्यार्थियों को एआई की उपयोगिता समझाने के साथ-साथ कैसे इसे अपने उपयोग में लाए इस जानकारी का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। खास बात ये है कि इस प्रोग्राम को लगातार 20 घंटे नहीं करना है। इस कोर्स की शुरुआत होने से लेकर अगले 60 दिनों तक विद्यार्थियों के पास मौका रहेगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को दो क्रेडिट बिंदुओं के साथ प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों को https://www.tcsion.com/courses/ai-awareness-programme/?utm_source=MPITAI पर जाना होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 7 अप्रैल है। मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि एआई विज्ञान और गणित जैसे विषयों के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए इसके प्रशिक्षण की शुरुआत कक्षा 11 और 12 के बच्चों से हो रही है। हर विद्यार्थी को पंजीकरण करना है। विद्यार्थियों को ये प्रशिक्षण महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के विशेषज्ञों की ओर से दिया जाएगा।

'जीजा ने की छेड़खानी, विरोध पर जिंदा जलाने की कोशिश', पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बाजारखाला निवासी महिला ने जीजा पर छेड़खानी और विरोध करने पर जिंदा जलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कुछ और रिश्तेदारों पर भी उसे पीटने का आरोप लगाया है। पुलिस ने 09 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता के मुताबिक, 30 मार्च को वह घर में अकेले थी। पति ड्यूटी पर गए हुए थे। इसी बात का फायदा उठाकर सुबह करीब 11:30 बजे जीजा घर आ गए। वह छेड़खानी और जबरदस्ती करने लगे। विरोध करने पर पहले पीटा। फिर, पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जलाने की कोशिश की। किसी तरह से वह खुद को बचाकर डेढ़ वर्षीय बच्ची को लेकर वहां से भागी। इसके बाद पुलिस से शिकायत की। पीड़िता का आरोप है कि इससे पहले भी उसकी बहनें और भांजी भी उसे पीट चुकी हैं। इंस्पेक्टर ब्रजेश सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मकान पर कब्जेदारी की बात सामने आ रही है। फिलहाल मामले की विवेचना चल रही है।

भारतेन्दु नाट्य अकादमी भवन का 5 अप्रैल को होगा लोकार्पण, पर्यटन मंत्री ने तैयारियों का लिया जायजा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज गोमती नगर स्थित भारतेन्दु नाट्य अकादमी भवन का निरीक्षण कर आगामी लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। संस्कृति विभाग द्वारा जीर्ण-शीर्ण हो चुके इस भवन का व्यापक सौंदर्यीकरण एवं नवीनीकरण कराया गया है। आगामी 05 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा इसका विधिवत लोकार्पण किया जाएगा।निरीक्षण के दौरान मंत्री ने बताया कि भारतेन्दु नाट्य अकादमी संस्कृति विभाग के अधीन एक प्रतिष्ठित नाट्य प्रशिक्षण संस्थान है, जिसकी स्थापना वर्ष 1975 में हुई थी। अकादमी में अभिनय, रंगमंच और उससे संबंधित विभिन्न कलाओं में दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स संचालित किया जाता है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले

छात्र देश-विदेश में भारतीय संस्कृति और नाटक की विभिन्न विधाओं का प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने अकादमी प्रबंधन से कहा कि इस भवन का उपयोग नवोदित प्रतिभाओं को निखारने और उनकी रचनात्मक क्षमता को विकसित करने में प्रभावी रूप से किया जाए।परिसर में कराए गए जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण करने के बाद मंत्री ने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप पूरे किए जाने चाहिए। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने और नाट्य विधा में प्रयोग होने वाले उपकरणों के बेहतर रख-रखाव के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कला, संस्कृति, गीत-संगीत और नाट्य विधाओं को बढ़ावा देने के साथ कलाकारों को सम्मान देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में इस प्रतिष्ठित संस्थान में देश के 9 राज्यों से छात्र-छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र देश, प्रदेश और लखनऊ का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि आज हिन्दी रंगमंच दिवस भी मनाया जा रहा है, जो आधुनिक रंगमंच के जनक भारतेन्दु हरिश्चंद्र के नाम पर समर्पित है। उन्होंने प्रशिक्षणरत छात्रों का आह्वान किया कि नाटक की बारीकियां और इससे जुड़ी विधाएं उनके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण पूंजी हैं। प्रदेश सरकार इस संस्थान को और अधिक लोकप्रिय तथा उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रिति शंकर त्रिपाठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संस्थान के विकास से संबंधित मांगें रखीं, जिन पर मंत्री ने सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

लखनऊ रेलवे स्टेशन पर विस्फोट की साजिश नाकाम, आईएसआई से जुड़े चार आतंकी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी एटीएस ने देश विरोधी साजिश का बड़ा खुलासा करते हुए पाकिस्तानी हैंडलर(आईएसआई) के इशारे पर काम करने वाले एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। मॉड्यूल से जुड़े चार आतंकी बृहस्पतिवार को लखनऊ रेलवे स्टेशन व उसके आसपास विस्फोट करने की फिराक में थे। तभी एटीएस की टीम ने उनको दबोच लिया।

मॉड्यूल देश भर में रेलवे सिग्नल बॉक्स, सिलिंडर भरे वाहनों और प्रतिष्ठित संस्थानों में आगजनी कर दहशत फैलाने की साजिश रच रहे थे। सबसे पहला निशाना लखनऊ रेलवे स्टेशन था। आरोपियों ने कई नेताओं की भी रेकी कर रहे थे।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के मुताबिक, मेरठ निवासी साकिब उर्फ डेविल गिरोह का सरगना है। वह टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और सिग्नल जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर और कट्टरपंथी संगठनों के संपर्क में था। उसका सहयोगी मेरठ निवासी अरबाब भी इस नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहा था।

दोनों ने मिलकर गौतमबुद्धनगर के विकास उर्फ रौनक और लोकेश उर्फ पपला को पैसों का लालच देकर अपने साथ जोड़ा। बृहस्पतिवार को आरोपी चारबाग रेलवे स्टेशन के पास रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आगजनी की बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे। एटीएस के पास इसका पूरा इनपुट था। इसलिए टीमें आरोपियों को ट्रेस करते हुए मौके पर पहुंची और चारों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी साकिब नाई का काम करता है।

ई-रिक्शा बैट्री चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 4 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, 8 बैट्रियां बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना कृष्णानगर पुलिस ने ई-रिक्शा से बैट्री चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 8 अदद ई-रिक्शा बैट्रियां बरामद की हैं। पुलिस ने मामले में आवश्यक विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 अप्रैल 2026 को वादी अंकित कुमार पुत्र जंगली प्रसाद निवासी एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड, थाना कृष्णानगर, लखनऊ द्वारा थाना कृष्णानगर पर तहरीर देकर बताया गया कि 24 मार्च 2026 की देर रात्रि में अज्ञात चोरों ने उनके ई-रिक्शा संख्या यूपी-32 एनएन 8313 से बैट्री चोरी कर ली थी। इस सूचना के आधार पर थाना कृष्णानगर में मु0अ0सं0-0147/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के

तहत अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक कृष्णानगर द्वारा अभियोग के सफल अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीमों द्वारा लगभग 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की गई तथा साक्ष्य संकलित किए गए। इसी क्रम में मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए 03 अप्रैल 2026 को थाना कृष्णानगर क्षेत्र के डाला स्टैण्ड, फिनिक्स मॉल के निकट से चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों में विकास रावत पुत्र स्वर्गीय भगवानदीन निवासी हंसखेड़ा डूडा कॉलोनी थाना पारा, धर्मेन्द्र गौतम पुत्र रामदास निवासी हंसखेड़ा थाना पारा, निखिल मिश्रा उर्फ मंगल पुत्र वेदप्रकाश मिश्रा निवासी रजनीखण्ड थाना आशियाना तथा कृष्णा कनौजिया पुत्र विष्णु कनौजिया निवासी स्नेहनगर चन्द्रा गेस्ट हाउस के पास थाना कृष्णानगर शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों की आयु लगभग 19 से 20 वर्ष के बीच बताई गई है।पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने लगभग एक सप्ताह पूर्व एलडीए कॉलोनी स्थित कमेटी हाल के पास घर के बाहर खड़े एक ई-रिक्शा से चार बैट्रियां चोरी की थीं। इसके अतिरिक्त चार दिन पूर्व मोहनलालगंज क्षेत्र के एक गांव से भी घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा से चार बैट्रियां चोरी की थीं। चोरी की गई सभी बैट्रियों को अभियुक्तों ने डाला स्टैण्ड के पास छिपाकर रखा था और उन्हें बेचने की फिराक में थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त विकास रावत एवं निखिल मिश्रा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। विकास रावत के विरुद्ध चिनहट, मानकनगर, सरोजनीनगर तथा सुशांत गोल्फ सिटी थानों में चोरी से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं, जबकि निखिल मिश्रा के विरुद्ध कृष्णानगर एवं मलिहाबाद थानों में भी चोरी के मामले दर्ज पाए गए हैं। अन्य अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी संबंधित थानों से प्राप्त की जा रही है।पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 08 अदद ई-रिक्शा बैट्रियां बरामद की हैं। इस संबंध में मु0अ0सं0-0147/2026 धारा 303(2)/317(2)/317(5) भारतीय न्याय संहिता थाना कृष्णानगर, कमिश्नरेट लखनऊ के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस पूरी कार्रवाई को कोतवाली कृष्णानगर पुलिस टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

कुशीनगर इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्क्लेव 2026 संपन्न, 3000 करोड़ रुपये निवेश की संभावनाएं उभरीं

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कुशीनगर में आयोजित इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्क्लेव 2026 का समापन बड़े स्तर पर भागीदारी और निवेश की मजबूत संभावनाओं के साथ संपन्न हुआ। तीन दिन तक चले इस आयोजन ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया।भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल पर आयोजित इस कॉन्क्लेव में 2,300 से अधिक श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल हुए। इनमें 2,000 से अधिक भिक्षु, विद्वान, नीति-निर्माता और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल थे, जबकि 300 से अधिक विदेशी मेहमान थाईलैंड, जापान, म्यांमार, भूटान और नेपाल जैसे देशों से पहुंचे। इस व्यापक भागीदारी ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।कॉन्क्लेव के दौरान पर्यटन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं सामने आईं। होटल और रिजॉर्ट निर्माण से जुड़ी कंपनियों, रियल एस्टेट डेवलपर्स, बायो-सीएनजी तथा फूड प्रोसेसिंग उद्योगों ने कुशीनगर में निवेश को लेकर रुचि दिखाई। इसके साथ ही शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए यहां दो नए टाउनशिप विकसित करने की योजना पर भी चर्चा की गई, जिससे आने वाले समय में कुशीनगर के शहरी विस्तार और आधारभूत संरचना को नई गति मिलने की संभावना है।

कॉन्क्लेव में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि बौद्ध पर्यटन को केवल तीर्थयात्रा तक सीमित न रखकर इसे सांस्कृतिक आदान-प्रदान, स्थानीय कारोबार और सतत विकास से जोड़ा जाए। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की बेहतर सुविधाओं और मजबूत कनेक्टिविटी को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया, जिससे भविष्य में विदेशी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद जताई गई।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के निरंतर प्रयासों से कुशीनगर बौद्ध कॉन्क्लेव 2026 ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों और निवेशकों की भागीदारी यह दर्शाती है कि कुशीनगर अब आस्था के साथ-साथ निवेश का भी आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है।मंत्री ने कहा कि इस आयोजन से लगभग 3,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावनाएं सामने आई हैं, जिससे पर्यटन, होटल, परिवहन और आधारभूत ढांचा विकास के क्षेत्र में तेजी आएगी। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार इन निवेश प्रस्तावों को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे कुशीनगर के समग्र विकास को नई गति मिल सके।

बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला

आधुनिक समय में 'देशज हिंदू राजनीति के तीन प्रयोगधर्मी (विचारक?) हुए- गांधी, सावरकर और लोहिया। इन तीनों ने वे सूत्र, वे प्रयोग दिए, जिससे हिंदुओं को भक्ति की तीन नई मूर्तियाँ मिलीं। 1947 के बाद गांधी के नेहरू ने अपने प्रयोग किए। नेहरूवादी पैदा हुए। वही सावरकर के भक्तों ने हवा में लाठी घुमाते हुए भय, भक्ति, भूख की भीड़ बनाना शुरू किया। एक तरफ नेहरूवादी, दूसरी तरफ हिंदुवादी (धर्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिक)।

और फिर इन दो धुरियों के बीच अचानक लड़ाकू तेवर के साथ डॉ. राममनोहर लोहिया उभरे। उनके जमीनी सूत्रों-नारों ने समाज में ऐसी हलचल बनाई, जिसके आगे गांधीवादी निरुत्तर थे तो हिंदुवादी भी मात्र हवा में लाठी भांजते थे। लोहिया के ही जुमलों ने वह मंडल-कमंडल बनाया कि समाज छिन्न-भिन्न हुआ। बुद्धि, विवेक सब छोड़ लोग पहचान (जाति, उपजाति, खाप) की भीड़ में कनवर्ट होने लगे।

और अंत परिणाम? लोहियावादी भी वैसे ही बेमतलब है जैसे नेहरूवादी, गांधीवादी, मार्क्सवादी, माओवादी आदि भक्त समूहों का विसर्जन है। सवाल है तब 140 करोड़ लोगों का मालिक कौन? सावरकर के वे हिंदुवादी जो लाठी भांजने, हांकने की सौ वर्षों से ट्रेनिंग लेते-लेते डफरों के विश्वगुरू हैं।

निश्चित ही इस ट्रेनिंग का प्रतीकमान चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम से दुनिया को आह्वान किया कि स्वागत है आप द्वारा बनाई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (सौ प्रतिशत अमेरिका या उनकी कंपनियों की मौलिक बुद्धि से निर्मित उत्पाद) का। भारत इसमें अपना भाग्य मानता है।

और इस कॉलम को लिखते हुए खबर है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को 30 दिन की छूट दी। और अमेरिका की अनुमति प्राप्त हुई नहीं कि भक्त भीड़ का सोशल मीडिया 'अमेरिका से अनुमति की वाह करते हुए है।

मैं तभी ऐसी घड़ी में लोहिया और लोहिया के लोगों की स्मृति में नीतीश कुमार पर सोच रहा हूं। किस मनोदशा के पर्याय हैं नीतीश कुमार? इसलिए क्योंकि लोहिया की देशज राजनीति, जुमलों (या क्रांति) की प्रयोगशाला रहा है बिहार। लोहिया के मंडल चेहरे हों या भगवा चेहरे (सावरकर की सेंट्रल हॉल में तस्वीर के निर्णय के साझेदार जॉर्ज फर्नांडिस से हुकुमदेव नारायण यादव तक), सभी की यानी तमाम तरह के समाजवादियों की कर्मभूमि बिहार रही है। बिहार में कांग्रेस का शासन मुश्किल से चालीस वर्ष रहा। बाकी समय बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला रहा।

कर्पूरी ठाकुर 1967 में मुख्यमंत्री बने थे। मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर मंडल रिपोर्ट लिखने वाले बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल यहीं चुनाव जीतते रहे हैं। तभी सवाल है कि मंडल रिपोर्ट को लागू कराने की अधिसूचना जारी करवाने वाले शरद यादव, रामविलास पासवान हों या बिहार में 35 वर्षों से उसे लागू कराते लालू यादव, राबड़ी देवी तथा नीतीश कुमार के चेहरों से बिहार कैसा रचा है? ध्यान रहे नीतीश राज ही कोई बीस साल पुराना है।

और लोहियावाद की इतनी लंबी देशज राजनीति के आइडिया की कुल बिहार प्राप्ति, उत्पादकता क्या है? एक वाक्य में जवाब है, खंडहर और मजदूर! तभी नीतीश कुमार की रिटायरी के साथ अब दिखलाई दे रहा है कि बिहार हर तरह से लाठीधारी डफर जमात का सुरक्षित गढ़ हो गया है।

जबकि इस भूमि से, लोहियावादी विरासत की क्या उम्मीद होनी चाहिए थी? लोग कैसे तैयार होने थे? स्वाभिमानी, स्वदेशी, लड़ाकू-खुराफाती। मगर लोहियावादी बिहार में अब वह आबोहवा है, वह खंडहर है जो पिछले तीस वर्षों से जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर नीतीश कुमार के मुंह से कभी भी कहने को भी, स्वदेशी, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार (याद करें कभी जॉर्ज फर्नांडिस ने देसाई सरकार में कोका-कोला, आईबीएम कंपनियों को भारत से खदेड़ा था) के जुमले नहीं सुने गए!

उलटे हुआ क्या? पुराने नामी रहे विश्वविद्यालय भी चौपट हुए। नालंदा की नकल और जुगाड़ जैसी शिक्षा व्यवस्था बनी। सो, बुद्धि चौपट और स्वाभिमानी आबादी का भक्ति तथा मजदूर भीड़ में कनवर्ट होना।

इसलिए सोचें, नीतीश कुमार और लोहियावादी चेहरों पर तो गांधी, सावरकर, लोहिया के भारत के ऐसे हस्र पर भी!

भारत के लिए एक कठिन परीक्षा की घड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है। ईरान द्वारा सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर किए जा रहे हमले को लेकर भी भारत ने चिंता जताई है और इसकी आलोचना की है।

अजीत द्विवेदी

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले में भारत पक्षकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध शुरू होने से दो दिन पहले जरूर इजराइल की यात्रा पर गए थे। लेकिन भारत इस सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं है। इसके बावजूद इस युद्ध का बड़ा असर भारत के ऊपर होगा। भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा दोनों पर व्यापक असर होगा तो साथ ही खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों और पेशेवरों द्वारा भेजे जाने वाले रेमिटेंसेज यानी उनके पैसे पर भी असर होगा। इसके अलावा भारत की कूटनीति और सामरिक नीति भी प्रभावित होगी। सवाल है कि क्या भारत इस युद्ध की संभावना को देख रहा था और उसके असर से निपटने की कोई तैयारी हुई थी? दोनों का जवाब नकारात्मक है। अगर भारत युद्ध की वास्तविक संभावना देख रहा होता तो प्रधानमंत्री मोदी इजराइल की यात्रा पर नहीं जाते। जब युद्ध की संभावना नहीं दिख रही थी तो जाहिर है कोई तैयारी भी नहीं होगी।

ध्यान रहे भारत किसी सैन्य गठजोड़ का हिस्सा नहीं है और इजराइल के साथ साथ ईरान से भी पारंपरिक रूप से भारत के संबंध अच्छे रहे हैं। इसलिए भारत के लिए यह एक कठिन परीक्षा की घड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है। ईरान द्वारा सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर किए जा रहे हमले को लेकर भी भारत ने चिंता जताई है और इसकी आलोचना की है। लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर भारत की चुप्पी से इसकी रणनीतिक स्वायत्तता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी हमेशा कहते रहे हैं कि यह युद्ध का समय नहीं है। रूस और यूक्रेन युद्ध में उन्होंने कई बार यह बात कही है। लेकिन इजराइल और अमेरिका के हमले में भारत यह बात नहीं कह रहा है। यह भी रणनीतिक स्वायत्तता के भारत के दावे पर सवाल खड़े करता है।

बहरहाल, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के असर को समझना हो तो सबसे पहले भारत की ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से इसे देखना होगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का करीब 81 फीसदी हिस्सा आयात करता है। पश्चिम एशिया इस आयात का प्रमुख स्रोत है। अगर ईरान होरमुज की खाड़ी को बाधित करता है और लाल सागर में हूती द्वारा हमला करके उस क्षेत्र को डिस्टर्ब किया जाता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल होरमुज की खाड़ी से होकर गुजरता है। लेकिन भारत का 40 फीसदी तेल इस रास्ते से आता है। सोचें, अमेरिका के दबाव में भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया है। अब अगर खाड़ी से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत की मुश्किल बढ़ेगी। इससे भारत पर अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा तेल खरीदने के दबाव बढ़ेगा।

तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है। अभी यह 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है और अगर जंग जारी रहती है तो यह एक सौ डॉलर प्रति बैरल तक या उससे ऊपर भी जा सकता है। इससे भारत के आयात बिल में बड़ी बढ़ोतरी होगी। इसका असर भारत की पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत का चालू खाते का घाटा बढ़ेगा और पहले से दबाव झेल रहा रुपया और दबाव में आएगा। अगर सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करती है तो उससे आम उपभोक्ताओं पर असर होगा और साथ ही परिवहन, उर्वरक, बिजली और विमानन सेवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। अंततः इसका बोझ भी जनता पर ही पड़ेगा। अगर महंगाई बढ़ती है तो उसका असर भारतीय रिजर्व बैंक की उदार ब्याज नीतियों पर भी पड़ेगा। केंद्रीय बैंक को सख्ती बरतनी होगी। अगर ब्याज दर बढ़ते हैं तो विकास दर में भी कमी आएगी।

एक अनुमान के मुताबिक खाड़ी देशों में 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और ओमान जैसे देशों में भारतीय समुदाय की बड़ी मौजूदगी है। बाहर से भारतीय पेशेवर जो रेमिटेंस यानी पैसा भेजते हैं उसका एक तिहाई से ज्यादा करीब 35 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। यह बड़ी रकम होती है, जिसका कई राज्यों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान होता है। अगर ईरान का युद्ध व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में बदलता है, तो सभी खाड़ी देशों की सुरक्षा स्थिति प्रभावित हो सकती है। ध्यान रहे ईरान ने लगभग सभी खाड़ी देशों पर हमला शुरू कर दिया है। ऐसी स्थिति में भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी एक बड़ी कूटनीतिक और मानवीय चुनौती बन जाएगी। भारत ने यमन और यूक्रेन जैसे संकटों में बड़े पैमाने पर निकासी अभियान चलाए हैं, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में संकट कहीं अधिक जटिल हो सकता है। रेमिटेंसेज में कमी आएगी, जिससे केरल और तेलंगाना से लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश तक में लाखों परिवार प्रभावित होंगे।

ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत का एक बड़ा हिस्सा समुद्री व्यापार के जरिए पश्चिम एशिया और यूरोप से जुड़ा है। युद्ध की स्थिति में इस रास्ते में व्यापार प्रभावित होगा, माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी, आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी और एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक शिपिंग बीमा महंगा होगा। इससे ऊर्जा के अलावा पेट्रोकेमिकल, फार्मा और इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। यदि समुद्री मार्गों में अस्थिरता बढ़ती है तो भारत को वैकल्पिक रास्तों और रणनीतियों पर तेजी से काम करना होगा।

भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास में बड़ा निवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टेलीविजन इंटरव्यू में इसे बड़ी उपलब्धि बताते रहे हैं। इस बंदरगाह से भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच मिलती है और भारत को क्षेत्रीय संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलता है। युद्ध बढ़ने की स्थिति में यह परियोजना ठप पड़ सकती है, जिससे भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक योजनाएं प्रभावित होंगी। अगर यह क्षेत्र अस्थिर होता है तो चीन और अन्य शक्तियों को अपना असर बढ़ाने का मौका मिल सकता है।

भारत के सामने आर्थिक व ऊर्जा सुरक्षा से ज्यादा बड़ी चुनौती कूटनीतिक है। ईरान निश्चित रूप से चीन और रूस के ज्यादा करीब है लेकिन भारत के संबंध ऐतिहासिक और ऊर्जा आधारित रहे हैं। दूसरी ओर इज़राइल और अमेरिका के साथ भारत की रक्षा और रणनीतिक साझेदारी बेहद मजबूत है। ऐसे में भारत के लिए तटस्थ रहना और संतुलन बनाना आसान नहीं होगा। भारत मल्टी एलायनमेंट की नीति पर काम कर रहा है। ऐसे में वह दोनों पक्षों से युद्ध खत्म करने और शांति बनाने की अपील कर सकता है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच पर उसे एक स्पष्ट पोजिशन लेनी होगी। अगर एशिया में हो रहे सैन्य टकराव में भी भारत मूक दर्शक ही रहता है तो वह वैश्विक मंच पर एक मजबूत मैसेज देने का मौका गंवा देगा। युद्ध के बाद इस क्षेत्र में हो सकता है कि अमेरिका की सैन्य उपस्थिति बढ़े। साथ ही इस क्षेत्र में नया इराक बनने की संभावना भी दिख रही है, जिससे अस्थिरता बढ़ेगी और स्थायी रूप से तनाव बना रहेगा। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए खरीद में विविधता लाने पर गंभीरता से विचार करना होगा और वैकल्पिक व्यापार मार्गों की तलाश और विकास भी करना होगा।

टिप्पणी

युद्ध से नियंत्रण खो चुके ट्रंप

ट्रंप की टिप्पणियां संकेत हैं कि ईरान के खिलाफ छेड़े गए युद्ध से निकलने का रास्ता उसे नहीं मिल रहा है। ट्रंप युद्ध पर से अपना नियंत्रण खो चुके हैं, जिसकी बेचैनी उनके बयानों से जाहिर हुई है।

ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका के उलझते जाने की स्थिति से व्यग्र डॉनल्ड ट्रंप अपनी नाकामी का ठीकरा नाटो में अपने सहयोगी देशों और चीन फोड़ते नजर आ रहे हैं। उलझाव का आलम यह है कि ईरान में थल सेना उतारने पर उनका प्रशासन गंभीरता से विचार कर रहा है, जिसकी शुरुआत ईरानी द्वीप खर्ग से हो सकती है। अफगानिस्तान और इराक के अनुभवों के मद्देनजर अमेरिका के युद्ध रणनीतिकार इसे अपने देश के लिए खतरनाक फैसला मानते हैं। बहरहाल, वहां थल सेना भेजने के बावजूद होरमुज जलडमरूमध्य को खुलवाने का सवाल बना रहेगा। नौसैनिक हस्तक्षेप के जरिए ऐसा करने में अमेरिका अकेले खुद को अक्षम पा रहा है।

इसलिए ट्रंप ने चीन सहित कई देशों से मदद करने की गुजारिश की। चीन ने तो इसे सीधे ठुकरा दिया, जबकि अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले किसी देश से भी तुरंत सकारात्मक उत्तर नहीं मिला। तो अब ट्रंप ने यूरोपीय देशों की अनिच्छा के मद्देनजर नाटो के ₹बहुत बुरे भविष्य₹ की धमकी दी है। उधर चीन को चेताया है कि वे 31 मार्च से तय अपनी बीजिंग यात्रा स्थगित कर सकते हैं। इस बीच खबर है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ईरान के राष्ट्रपति महमूद पेज़ेस्कियान से बात कर फ्रेंच जहाजों के लिए होरमुज का रास्ता खोलने का आग्रह किया।

उन्होंने जोर किया कि फ्रांस इस युद्ध का हिस्सा नहीं है। यह संकेत है कि यूरोपीय देश अमेरिका- इजराइल के बिना तय सैन्य उद्देश्य वाले युद्ध में भागीदारी से बच रहे हैं। दूसरी तरफ ईरानी हमलों में हो रहे नुकसान के कारण अमेरिका के अंदर युद्ध लगातार अधिक अलोकप्रिय होता जा रहा है। चूंकि नुकसान की खबरें अमेरिका के बड़े अखबारों ने छापी हैं, तो उससे भड़के ट्रंप ने उन अखबारों पर राष्ट्र-द्रोह का इल्जाम मढ़ दिया है। मगर उनकी ऐसी प्रतिक्रियाओं को इसी बात संकेत समझा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने बिना रणनीति बनाए देश को ऐसे युद्ध में झोंक दिया, जिससे निकलने का रास्ता उसे नहीं मिल रहा है। यानी ट्रंप युद्ध पर से अपना नियंत्रण खो चुके हैं। इसकी बेचैनी उनके बयानों से जाहिर हो रही है।

ब्लॉग

संकल्प के साथ राष्ट्रीय समस्या नक्सलवाद का अंत

प्रमोद भार्गव

इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र को कमजोर करने की दृष्टि से सरकार ने बहुआयामी कदम उठाएं। सबसे पहले उन नगरीय बौद्धिकों पर शिकंजा कसा, जो इन्हें राष्ट्रविरोधी वामपंथी वैचारिक खुराक देते थे। केंद्र सरकार ने सुरक्षाबलों को आधुनिक हथियार एवं यांत्रिक सुविधाएं देकर इन्हें सशक्त बनाया।

भारत में संकट बन चुकी राष्ट्रीय समस्याओं का समय-सीमा में अंत होना दुर्लभ है, लेकिन केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने यह कार्य करके दिखा दिया। गृहमंत्री अमित शाह लगातार कहते रहे हैं कि माओवादी नक्सलवाद का अंत 31 मार्च 2026 तक कर लिया जाएगा। उन्होंने यह करके दिखा भी दिया। वरना नक्सलवाद को संरक्षण दे रहे नगरीय तथाकथित बौद्धिक इस सशस्त्र खूनी क्रांति को राष्ट्र विरोधी संघर्ष मानते ही नहीं थे। बस्तर में 25 लाख के इनामी नक्सली सरगना पापा राव ने अपने 17 साथियों के साथ जिस तरह से हथियारों सहित समर्पण किया, उससे देश के सबसे बड़े गढ़ में माओवादी हिंसा का निर्णायक अंत हो गया। क्योंकि इस क्षेत्र का यही अंतिम सरगना शेष बचा था। नक्सलवाद का अंत ठीक उसी तरह हुआ है, जिस तरह प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव के कार्यकाल में पंजाब के उग्रवाद का अंत हुआ था। इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छा शक्ति को जाता है। अब पूरा देश मान रहा हैं कि भारत में राजनीतिक नेतृत्व दृढ़ हो तो किसी भी समस्या का निपटारा किया जा सकता है। क्योंकि देश की जिस तरह की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियां हैं और सषक्त प्रशासनिक ढांचा है, उसके चलते किसी भी प्रकार की सशस्त्र क्रांति का उग्रवाद और नक्सलवाद की तरह अंत होना निश्चित है। कश्मीर का पाक प्रायोजित आतंकवाद का भी यही हश्र होना है।

छत्तीसगढ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने शीर्ष माओवादी क्रूर हिंसा के प्रतीक बन चुके हिड़मा को मार गिराने के पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता तब मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। यह कुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पार्टी का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी।

नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। इसलिए अमित शाह ने लोकसभा में 'नक्सल मुक्त भारत' मुद्दे पर चली चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि 'एक समय 12 राज्य लाल आतंक का गलियारा बन गए थे। कानून व्यवस्था नहीं थी। देश में अब नक्सलवाद खत्म हो गया है।' शाह ने बताया कि इस दौरान 706 नक्सली मारे गए, 4800 ने समर्पण किया हैं और 2000 गिरफ्तार हुए हैं। इस समस्या के परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस को घेरते हुए शाह ने कहा, '75 साल में 60 साल कांग्रेस ने राज किया। लेकिन उसने आदिवासियों को न घर दिए, न पानी न स्कूल बनाए और न ही बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाई।' शाह का यह बयान तर्कसंगत है, क्योंकि शहरी वामपंथियों से भयभीत कांग्रेस नेतृत्व नक्सलवाद को कश्मीर के आतंकवाद और पूर्वोत्तर के उग्रवाद की तरह बड़ी चुनौती तो मानती थी, लेकिन उससे निपटने की कभी कोई कठोर रणनीति नहीं बनाई। यही कारण रहा कि छत्तीसगढ़ के जगदलपुर इलाके में नक्सली आतंक बेखौफ फलता-फूलता रहा।

इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र को कमजोर करने की दृष्टि से सरकार ने बहुआयामी कदम उठाएं। सबसे पहले उन नगरीय बौद्धिकों पर शिकंजा कसा, जो इन्हें राष्ट्रविरोधी वामपंथी वैचारिक खुराक देते थे। केंद्र सरकार ने सुरक्षाबलों को आधुनिक हथियार एवं यांत्रिक सुविधाएं देकर इन्हें सशक्त बनाया। कुछ कानून शिथिल करके नक्सलवाद को खत्म करने का अभियान छेड़ दिया। इसका परिणाम निकला कि एक के बाद एक खून की इबारत लिखने वाले नक्सली मारे जाने लगे। जो नक्सली समर्पण के लिए तैयार हुए उन्हें समर्पण का अवसर और समझौते में बताई गई शर्तों पालन करने का भरोसा दिया। नतीजतन इसके पहले तक गुप्तचर एजेंसियां नक्सलियों का सुराग लगाने में असफल रहती थीं, उन्हें नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद भरोसे की सूचनाएं मिलने लगीं। इस रणनीति के बाद से सैन्यबलों को सटीक सूचनाएं मिलीं और वे नक्सलियों को निशाना बनाने में लगातार कामयाब होने लगे।

छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर एजेंसियों को खबर देने लगे। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित थे। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की रक्तरंजित मुहिम जारी रखनी है। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में असफल रहीं।

दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोले हुए था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते थे। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता था, उसकी बोलती बंद कर दी जाती थी। हालांकि तत्काल तो इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगता दिखाई दे रहा है, लेकिन सरकार को ध्यान रखना होगा कि नक्सलियों के जो भी नगरीय बौद्धिक समर्थक हैं, उनके तार देश-विदेश में उन नक्सल समर्थक वामपंथियों से जुड़े हैं, जो माओवादियों को वैचारिक खुराक, धन और हथियार उपलब्ध कराते रहे हैं। सरकार की सतर्कता कम होती दिखाई देगी तो ये वामपंथी हताश एवं निराश माओवादियों को सिर उठाने के संसाधन फिर से देने लग जाएंगे।

शूटर आशु का एनकाउंटर: तीन गोलियों ने छलनी किया दिल और फेफड़े, सीने के हो गई थीं आर-पार, आठ माह पहले की थी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के सिविल लाइंस इलाके में बुधवार की रात मुठभेड़ के दौरान उधम सिंह गैंग के शार्प शूटर आशु उर्फ मोंटी को सीने में पुलिस की तीन गोलियां लगी थीं। तीनों गोलियां हार्ट और फेफड़ों को चीरते हुए बाहर निकल गई थीं। बृहस्पतिवार की दोपहर दो डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम से इसकी पुष्टि हुई है।

सिविल लाइंस के रामगंगा विहार स्थित शुभम ग्रीन विला निवासी अरशू ढल की कांठ रोड पर प्रेम नगर में वजीरचंद एक्सपोर्ट फर्म है। उन्होंने सिविल लाइंस थाने में 15 मार्च को शातिर बदमाश आशु और उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जिसमें उन्होंने बताया कि 12 मार्च की रात करीब आठ बजे उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से मिस कॉल आई थी। इसके एक मिनट बाद व्हाट्सएप पर दोबारा कॉल आई। निर्यातक ने कॉल रिसीव की। फोन करने वाले ने अपना नाम आशु बताया और धमकी देते हुए पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। रकम नहीं देने पर हत्या करने की धमकी दी थी। दो दिन बाद उनकी फर्म पर भी बाइक सवारों ने फायरिंग की थी। एसएसपी ने आशु की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

हापुड़ के हाफिजपुर थाना क्षेत्र के मीरापुर निवासी आशु उर्फ मोंटी अपने साथी के साथ बुधवार को रंगदारी की रकम वसूलने पहुंचा था। इसकी जानकारी मिलने पर मेरठ एसटीएफ और मुरादाबाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई थी।

बुधवार की रात करीब दस बजे सिविल लाइंस क्षेत्र में पोस्टमार्टम हाउस के पास इस्लाम नगर रोड पर पुलिस ने आशु और उसके साथी को घेर लिया था। इसी बीच दोनों ओर से फायरिंग शुरू हो गई। कार सवार आशु उर्फ मोंटी को सीने में तीन गोलियां लगीं जबकि इसका साथी मौके से भाग गया था।

पुलिस आशु को जिला अस्पताल लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। इसकी जानकारी मिलने पर आशु के भाई अनु और नीशू पड़ोसियों के साथ मुरादाबाद पहुंच गए। इसके बाद बृहस्पतिवार की सुबह करीब दस बजे शव का पोस्टमार्टम कराया।

दो डाक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। इस दौरान डिजिटल फोटो ग्राफी और वीडियो ग्राफी भी कराई गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि आशु को सीने में तीन गोलियां लगी थीं। तीनों गोलियां हार्ट और फेफड़ों को चीरते हुए पीठ से बाहर निकल गई थीं।

अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसकी मृत्यु हो गई थी। सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने जिले की सीमा तक आशु के शव को पहुंचाया और इसके बाद हापुड़ के हाफिजपुर थाने की पुलिस को सूचना दे दी गई है।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि आशु उधम सिंह गैंग का शार्प शूटर था। उसके खिलाफ 36 मुकदमे दर्ज थे। उसके साथी की तलाश में पुलिस और एसटीएफ की टीम लगी है।

आठ माह पहले की थी रायबरेली की युवती से शादी, गाजियाबाद में रहता था

मुरादाबाद। मुठभेड़ में ढेर होने की जानकारी मिलने पर आशु के भाई मुरादाबाद पहुंचे और पोस्टमार्टम हाउस पर उन्होंने बताया कि तीन भाइयों में आशु सबसे छोटा था। उसने आठ महीने पहले रायबरेली की युवती से शादी की थी और गाजियाबाद में रहता था। उसने किसी से रंगदारी मांगी थी या नहीं। उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है।

निर्यातक की सुरक्षा बढ़ाई

मुठभेड़ में 50 हजार के इनामी के ढेर होने के बाद पुलिस ने निर्यातक और उनकी फर्म की सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस टीम बीच बीच में उनकी फर्म गश्त कर रही और आने जाने वाले लोगों से पूछताछ कर रही है। उधर, पुलिस और एसटीएफ आशू उर्फ मोंटी के साथी की तलाश में जुटी है।

वजीरचंद्र फर्म के मालिक अरशू ढल से फोन पर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। इसके बाद उनकी फर्म पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग थी। वारदात के बाद से निर्यातक ने गेट की सुरक्ष बढ़ा दी थी।

बुधवार की रात एक बदमाश के मुठभेड़ में ढेर होने और दूसरे बदमाश के भाग जाने के बाद पुलिस ने निर्यातक और उनकी फर्म की सुरक्षा बढ़ा दी है। उधम सिंह गैंग के शार्प शूटर रहे बदमाश आशू उर्फ मोंटी चड्ढा के साथी की तलाश की जा रही है।

आरोपी से पुलिस ने यह सामान किया बरामद

मुरादाबाद के सिविल लाइंस पुलिस ने स्विफ्ट कार, 32 बार की पिस्टल, 32 बोर का रिवाल्वर, 12 बोर की बंदूक, भारी मात्रा में खोखा और कारतूस बरामद किए हैं।

विवादों के बीच 'फ्री सर्जरी' का ऐलान, डॉ. गौतम पर सवाल बरकरार

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। कोतवाली नगर स्थित शुभांगी हॉस्पिटल में युवक की संदिग्ध मौत के बाद उठे विवाद के बीच अस्पताल प्रबंधन ने अचानक अप्रैल माह में निशुल्क सर्जरी की घोषणा कर दी है। अंबेडकर जयंती से पहले डॉ. राजेश गौतम द्वारा जारी इस पहल को जहां एक ओर गरीब मरीजों के लिए राहत बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे चल रहे विवाद के बीच "डैमेज कंट्रोल" के रूप में भी देखा जा रहा है। घटना के बाद से अस्पताल की कार्यप्रणाली और चिकित्सकीय निर्णयों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। मृतक के परिजनों ने ऑपरेशन के दौरान लापरवाही, हालत बिगड़ने के बावजूद प्रक्रिया जारी रखने और बाद में रेफर करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। मामला अब केवल एक मौत तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में भरोसे और पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इस बीच विभागीय सूत्रों के हवाले से यह भी चर्चा है कि अस्पताल का संचालन निर्धारित मानकों के विपरीत किया जा रहा है।

पति का कत्ल : शराब पिलाकर गला दबाया, फिर पेट्रोल डालकर जला दी लाश, इसलिए पत्नी के प्रेमी ने दी खौफनाक मौत

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना सैंया में बुधवार को खेत में जलाकर लोकेंद्र (39) की हत्या की गई थी। बृहस्पतिवार को मृतक के भाई शिवचरन ने पहचान की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों, कॉल डिटेल को खंगाला तब खुलासे तक पहुंच सकी। प्रेम प्रसंग में बाधा बनने की बात सामने आई। साजिश के तहत लोकेंद्र को उसकी पत्नी का प्रेमी अपने साथी की मदद से खेत में ले गया। शराब पिलाने के बाद गला दबाकर हत्या की। इसके बाद शव को पेट्रोल और शराब डालकर जला दिया। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

एडीसीपी पश्चिमी जोन आदित्य सिंह ने बताया कि बुधवार शाम 7 बजे सैंया में एक खेत में शव पड़ा होने की जानकारी मिली थी। हत्या कर शव को जलाया गया था। हाथ पर लोकेंद्र नाम गुदा हुआ था।

बृहस्पतिवार सुबह उसके भाई ने शिनाख्त की। लोकेंद्र की शादी 17 साल पहले इरादतनगर में हुई थी। तीन बेटियां और एक बेटा है।

लोकेंद्र मजदूरी करता था। पत्नी के 6 महीने पहले गांव के एक युवक से दोस्ती हो गई। युवक घर आकर मिलने लगा। पति ने विरोध किया। परिवार के लोगों को भी बता दिया। इससे नाराज पत्नी ने युवक के साथ मिलकर लोकेंद्र की हत्या की साजिश रची। बुधवार सुबह 11 बजे लोकेंद्र के घर से निकलने पर पत्नी ने दोस्त को बता दिया। वह बाइक से अपने साथी के साथ लोकेंद्र को रास्ते में मिल गया। दोनों उसे शराब के ठेके पर ले गए। शराब की बोतल लेने के बाद फल और पानी के पाउच लेकर एक खेत में बैठ गए। तीनों ने शराब पी। लोकेंद्र के नशे में होने पर गला दबाने लगे। उसने विरोध किया। इस पर एक ने हाथ और पैर पकड़ लिए। दूसरे ने गला दबा दिया। मौत हो जाने पर बाइक से पेट्रोल निकाला। शव पर डालकर आग लगा दी। पेट्रोल कम होने पर शराब भी डाल दी। मगर शव पूरी तरह से नहीं जल सका।

घटना के समय आसपास से कोई निकल भी नहीं रहा था। इस कारण किसी को पता नहीं चला। बाद में आरोपियों ने शव को खेत के अंदर ले जाकर फेंक दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी और दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस शुक्रवार को इसका खुलासा कर सकती है।

शराब की बोतल और फलों के कागज से मिला सुराग

एडीसीपी ने बताया कि हत्याकांड के खुलासे के लिए एसीपी डॉ. सुकन्या शर्मा, थाना पुलिस और एसओजी को लगाया गया था। फॉरेंसिक टीम भी बुलाई गई। घटनास्थल पर एक शराब की बोतल मिली थी। एक कागज भी था, जिस पर फल रखे हुए थे। पुलिस ने आसपास के शराब के ठेके पर जाकर चेक किया। पूरे दिन की फुटेज देखी। इसमें लोकेंद्र नजर आया। उसके साथ दो और लोग थे। वहीं पास ही एक ठेल पर फल बेचने वाले से आरोपियों ने अंगूर खरीदे थे। अंगूर किताब के कागज पर रखकर दिए थे। ठेल विक्रेता ने भी पुष्टि की। इसके बाद पुलिस ने मृतक, उसकी पत्नी और अन्य की कॉल डिटेल निकाली। साक्ष्य संकलन के बाद आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया।

राप्ती नदी में डूबे चार किशोरों के शव मिले, किनारे पर चार साइकिल और कपड़े पड़े थे, दो दिन चला तलाशी अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के खोराबार थाना इलाके के मिर्जापुर घाट स्थित पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने गए तीन अन्य किशोरों का शव शुक्रवार को बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की चार टीमें लगातार नदी में सर्च अभियान चला रही थीं। किशोरों का मिलते ही घर में कोहराम मच गया, परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, कैंट थाना क्षेत्र के रानीडीहा शिवमंदिर टोला निवासी अमन उर्फ बीरू राजभर (15), मालवीय नगर निवासी विवेक निषाद (15), जंगल सिकरी निवासी गगन पासवान (15) और रानीडीहा निवासी अनिकेत यादव (13) अपने साथी राजकरन उर्फ टाइमपास के साथ बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे साइकिल से मिर्जापुर घाट पहुंचे थे।

पांचों किशोर पीपा पुल के पास राप्ती नदी में नहाने लगे। इसी दौरान चार गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे, जबकि राजकरन किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, ग्राम प्रधान और पुलिस मौके पर पहुंची। खोराबार और कैंट पुलिस ने तत्काल एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को बुलाया, जिन्होंने देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया। मौके से चार साइकिल, कपड़े और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

बृहस्पतिवार को सुबह से ही सर्च अभियान दोबारा शुरू किया गया। इसी दौरान विवेक निषाद का शव घटना स्थल से 100 मीटर दूरी पर बरामद कर लिया गया, जबकि अन्य तीन किशोरों का शव शुक्रवार सुबह टीम ने घटाना स्थल से एक किमी दूर बरामद कर ली है। थाना प्रभारी सुधांशु सिंह के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बेटे का शव देख फफक पड़ी मां, आसपास खड़े लोगों की आंखें भी हुई नम

विवेक निषाद का शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जैसे ही सूचना घर पहुंची, परिजन बदहवास हालत में घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। मां का रो-रोकर बुरा हाल था, वह बार-बार बेटे का नाम लेकर बेहोश हो जा रही थी।

पिता सतीश, जो पेशे से ऑटो चालक हैं, बेटे के शव को देख फूट-फूटकर रो पड़े। आसपास खड़े लोगों की आंखें भी नम हो गईं। विवेक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके दो छोटे भाई सुंदर और समीर अभी इस सदमे को समझ भी नहीं पा रहे हैं।

परिवार के लोगों ने बताया कि वह कक्षा 6 का छात्र था और पढ़ाई में अच्छा था। घर की जिम्मेदारियों में भी हाथ बंटाता था। उधर, अन्य तीन लापता किशोरों के घरों में भी मातम पसरा हुआ है।

परिजन टकटकी लगाए नदी की ओर देख रहे हैं, इस उम्मीद में कि उनका बेटा सकुशल लौट आए। हर गुजरते पल के साथ उनकी बेचैनी और बढ़ती जा रही है। गांव में सन्नाटा पसरा है और हर आंख नम है।

आग से ढाई बीघे गेहूं की फसल राख

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। चन्दवक के डोभी क्षेत्र के खुज्झी गांव में शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। जिससे गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई।इस घटना में करीब ढाई बीघे गेहूं की फसल के नुकसान की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पायाए लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।गांव निवासी जंग बहादुर यादव यपुत्र राजाराम यादवद्ध ने बताया कि उनकी लगभग दो बीघे गेहूं की फसल जल गई। वहीं प्रमिला सिंह यपत्नी स्वण काशीनाथ सिंहद्ध के अनुसारए उन्हें करीब 5 बिस्सा फसल का नुकसान हुआ है। गांव के ही नरेंद्र यादव ने ट्रैक्टर की मदद से आग बुझाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान आग बुझाने के प्रयास में वे हल्का झुलस भी गए।जानकारी मिलने पर बिजली विभाग के कर्मचारी और राजस्व विभाग के लेखपाल उमेश सोनकर मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन करने में जुट गए हैं।

गैस सिलिंडर के लिए अब होने लगी मारपीट, एक एजेंसी पर कर्मचारियों को पीटा, दूसरी पर युवक पीटकर किया घायल

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। गभाना स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर 1 अप्रैल की रात सिलिंडर न मिलने से नाराज युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। युवकों पर एजेंसी के कर्मचारियों के साथ मारपीट, एजेंसी संचालिका के साथ अभद्रता करते हुए लूटपाट की कोशिश का आरोप है। घटना के विरोध में बृहस्पतिवार को एजेंसी बंद रही। पीड़ित पक्ष ने अलीगढ़ गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह से मुलाकात की। घटना के संबंध में थाना गभाना में तहरीर दे दी गई है।

अलीगढ़ निवासी एजेंसी संचालिका कमलेश सारस्वत के अनुसार, घटना 1 अप्रैल रात करीब 9 बजे की है। जब वे काम समेटकर घर जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी गभाना निवासी कुछ युवक कार्यालय

में घुस आए और तुरंत गैस सिलिंडर की मांग करने लगे। संचालिका ने जब स्टॉक उपलब्ध न होने की बात कही, तो आरोपी आगबबूला हो गए। आरोप है कि दबंगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और महिला संचालिका के साथ अभद्रता और लूटपाट की कोशिश की। जब वहां मौजूद कर्मचारी अभिषेक और भूपेंद्र उर्फ लालू बीच-बचाव करने आए तो आरोपियों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। दबंगों ने जाते-जाते गैस गोदाम में आग लगाने की धमकी भी दी। कर्मचारी अभिषेक की हालत गंभीर देखते हुए उसे इलाज के लिए अलीगढ़ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस घटना से आक्रोशित होकर बृहस्पतिवार को एजेंसी संचालिका ने जिला गैस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह से मुलाकात की। कमलेश सारस्वत ने डीएसओ को बताया कि आरोपी आए दिन एजेंसी पर आकर बेवजह दबाव बनाते हैं। सुरक्षा के अभाव में काम करना मुश्किल हो गया है। जब तक आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होती और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक कार्य करना असुरक्षित है।

डीएसओ से एसोसिएशन ने मुलाकात की। इसके बाद शुक्रवार से एजेंसी पर एक पूर्ति निरीक्षक और पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। गैस वितरण का काम शुरू हो जाएगा।

- केके तिवारी, अध्यक्ष, एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन

गभाना में जो घटना हुई है वह दो पक्षों का मामला है। गैस वितरण को लेकर कोई समस्या नहीं है। प्रतिदिन 18 से 20 हजार गैस सिलिंडर आ रहे हैं। जिन लोगों को जानकारी नहीं है वह विवाद पैदा करते हैं।

- सत्यवीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी

इगलास: गैस सिलेंडर की लाइन में विवाद, युवक को पीटकर किया घायल

इगलास के मथुरा रोड स्थित गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के दौरान हुए विवाद में एक युवक को कुछ लोगों ने बुरी तरह पीट दिया। थाना गोंडा क्षेत्र के गांव जगनेर निवासी सुनील सिंह 2 अप्रैल की सुबह सिलेंडर लेने मथुरा रोड स्थित एजेंसी पर पहुंचे थे। आरोप है कि इसी दौरान एक युवक लाइन छोड़कर आगे खड़ा हो गया, जिसपर कहासुनी हो गई। आरोप है कि उक्त युवक ने अपने 10-15 साथियों को मौके पर बुला लिया, जिन्होंने मिलकर सुनील के साथ मारपीट की। इसमें सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। कोतवाल अवधेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर पेड़ गिरने से अफरा-तफरी, लगा घंटो जाम

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद के करौंदी कलां क्षेत्र में स्थित बुढापुर रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक एक बड़ा आम का पेड़ सड़क पर गिर पड़ा। पेड़ गिरने से सड़क पूरी तरह बाधित हो गई, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पेड़ काफी पुराना और कमजोर हो चुका था। तेज हवा या जर्जर स्थिति के कारण यह अचानक गिर गया। घटना के बाद सड़क पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया और स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों तथा ग्रामीणों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। सूचना मिलने के बाद मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों ने मिलकर पेड़ को हटाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, पेड़ बड़ा होने के कारण उसे हटाने में काफी समय लगा। प्रशासन को भी इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद राहत कार्य तेज किया गया।

केमिकल का यूज, स्ट्रेस...किन कारणों से झड़ते हैं बाल, एक्सपर्ट ने बताई 4 वजहें

बालों का कमजोर होना और झड़ना एक आम समस्या बनता जा रहा है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनका पता लगाना बहुत जरूरी है। चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं हेयरफॉल को 4 कारण।

आज के समय में बाल झड़ना एक आम लेकिन परेशान करने वाली समस्या बन चुकी है। पहले जहां इसे उम्र या मौसम से जोड़कर देखा जाता था, वहीं अब कम उम्र में ही लोग हेयर फॉल की समस्या से जूझ रहे हैं। कई बार हम इसे सिर्फ शैम्पू बदलने या तेल लगाने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा गहरी होती है। बालों के झड़ने के पीछे हमारी रोजमर्रा की आदतें, मानसिक स्थिति और इस्तेमाल किए जाने वाले प्रोडक्ट्स का बड़ा असर होता है।

ऐसे में जरूरी है कि बाल झड़ने के पीछे छिपे असली कारणों को समझा जाए। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर समय रहते इन वजहों पर ध्यान दिया जाए तो न केवल हेयर फॉल को कम किया जा सकता है, बल्कि बालों को दोबारा मजबूत और स्वस्थ भी बनाया जा सकता है। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं बाल झड़ने के 4 मुख्य कारण क्या हैं और इन्हें कैसे रोका जा सकता है।

स्ट्रेस (तनाव) और हाई कॉर्टिसोल

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल बताती हैं कि, बाल झड़ने का सबसे बड़ा कारण स्ट्रेस होता है। जब आप ज्यादा तनाव लेते हैं, तो शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ जाता है। इससे बालों की ग्रोथ रुक जाती है और बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। लंबे समय तक तनाव रहने पर यह समस्या और गंभीर हो सकती है। ऐसे में अगर आप हेयरफॉल को रोकना चाहते हैं तो आपको पहले स्ट्रेस फ्री होने की जरूरत है।

पोषण की कमी

हेल्दी हेयर के लिए शरीर में कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है। जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी और प्रोटीन आदि। लेकिन कई बार शरीर में इन न्यूट्रिशन की कमी होती है और हमे इस बात का पता भी नहीं होता है। ऐसे में शरीर बाकी अंगो को तो प्रायोरिटी दे देता है लेकिन बालों को कम पोषण देता है। जिससे हेयर फॉल होना शुरु हो जाता है।

गट हेल्थ खराब होना

गट हेल्थ बिगड़ना मतलब कई तरह की समस्याएं आना। इसमें हेयरफॉल भी शामिल है। अगर आपकी पाचन शक्ति कमजोर होती है और आंतों में बैलेंस खराब हो जाता है तो शरीर जरूरू पोषक तत्व सही से अब्जॉर्ब नहीं कर पाता है। इसका सीधा असर हमारे हेयर पर पड़ता है, जिससे वो कमजोर और बेजान हो जाते हैं। साथ ही हेयरफॉल भी काफी ज्यादा होने लगता है।

ज्यादा केमिकल का इस्तेमाल

आजकल लोग बालों को सुंदर दिखाने के लिए काफी ज्यादा केमिकल का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो बालों को कुछ समय तक अच्छा दिखाता है। लेकिन इसका नेगेटिव इंपैक्ट काफी लंबे समय तक रह सकता है। बहुत ज्यादा हेयर कलर, हीटिंग टूल्स का यूज और हार्श शैंपू का बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं।

रोज खाली वापस आएगा टिफिन, बच्चों को बनाकर दें ये टेस्टी और हेल्दी चीजें

2026-2027 शैक्षणिक सत्र के लिए 1 अप्रैल से स्कूल खुलना शुरू हो जाएंगे। बच्चों का स्कूल शुरू होते ही मदर्स को टेंशन रहती है कि उन्हें टिफिन में क्या दिया जाए। दरअसल बहुत सारे बच्चे ज्यादातर अपना लंच सही से फिनिश नहीं करते हैं। इस स्टोरी में जानेंगे टिफिन के लिए 6 टेस्टी और हेल्दी रेसिपीज। ताकि आपका बच्चा अपना लंच बॉक्स रोजाना खाली करके ही घर लाए।

आप लंच में बच्चे को चना दाल के फरा बनाकर दे सकती हैं। रात में दाल भिगो दें और फिर सुबह इसे मिक्सी में डालकर पीस लें। इसमें हरा धनिया, नमक, हल्की मिर्च, हल्दी, सूखा धनिया पाउडर जैसे बेसिक मसाले मिलाएं। इसके बाद गेहूं का या मल्टीग्रेन आटा गूंथ लें। आटे की रोटी बेल लें और दाल का मिश्रण इसपर फैलाकर रोल बना लें। इसे आप पानी में उबाल लें। इसके बाद स्लाइस में कट करके थोड़े से तेल से तड़का लगाकर फरा भून लें। मीठी चटनी के साथ टिफिन में पैक करें। बच्चे इसे बड़े शौक से खाएंगे।

चना दाल के फरा

आप लंच में बच्चे को चना दाल के फरा बनाकर दे सकती हैं। रात में दाल भिगो दें और फिर सुबह इसे मिक्सी में डालकर पीस लें। इसमें हरा धनिया, नमक, हल्की मिर्च, हल्दी, सूखा धनिया पाउडर जैसे बेसिक मसाले मिलाएं। इसके बाद गेहूं का या मल्टीग्रेन आटा गूंथ लें। आटे की रोटी बेल लें और दाल का मिश्रण इसपर फैलाकर रोल बना लें। इसे आप पानी में उबाल लें। इसके बाद स्लाइस में कट करके थोड़े से तेल से तड़का लगाकर फरा भून लें। मीठी चटनी के साथ टिफिन में पैक करें। बच्चे इसे बड़े शौक से खाएंगे।

वेज पनीर रोल

आप बच्चों को टिफिन में पराठे की जगह वेज रोल बनाकर दें। इसमें एक्स्ट्रा प्रोटीन के लिए पनीर को क्रश करके या फिर क्यूब्स में एड करें। इसके लिए बस आपको मल्टीग्रेन रोटी या गेहूं की रोटी को हल्का घी या तेल लगाकर सेक लेना है। फिर सॉस लगाकर इस पर ब्लांच और सीजनिंग की हुई कलरफुल सब्जियों के साथ पनीर डालकर रोल बना दें।

सब्जियों वाली इडली

टिफिन में टेस्टी हेल्दी रेसिपी की बात

करें तो इडली भी बेस्ट रहेगी, क्योंकि ये फरमेंटेड बेटर से बनाकर तैयार की जाती है। इसे और भी हेल्दी बनाना हो तो गाजर, मटर, हरा धनिया, ग्रीन,रेड, यलो शिमला मिर्च, स्वीट कॉर्न जैसी सब्जियां एड करें। नारियल-मूंगफली की चटनी के साथ इडली पैक करके बच्चे को देंगी तो वो शौक से खाएंगे।

कॉर्न चाट बनाकर दें

बच्चे को अगर किसी दिन कुछ हल्का लेकिन टेस्टी और हेल्दी देना हो जो झटपट बन जाए तो कॉर्न चाट बेस्ट ऑप्शन है। बस कॉर्न के दानों को उबालने के लिए रख दें। तब तक प्याज, टमाटर को काट लें। कॉर्न को पानी से निकाल लें। इसमें हल्के मसाले डालें। कटा हुआ प्याज, टमाटर मिलाएं और थोड़ा सा नींबू का रस एड करें। बस तैयार है कॉर्न चाट।

वेजिटेबल-लेमन राइस

बच्चों को लेमन राइस भी काफी पसंद आएंगे। साउथ इंडिया की ये टेम्पटिंग डिश है। इसे बनाने में आपको बहुत ज्यादा झंझट भी नहीं रहेगा। बस इसका न्यूट्रिशन बढ़ाने के लिए कलरफुल सब्जियां एड करें। बस आपको चावल को सिंपल तरीके से बना लेना है। इसके बाद

एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें मूंगफली, आधा चम्मच उड़द दाल, राई, करी पत्ता जैसी चीजों का तड़का लगाएं। ऊपर से नींबू एड करें। बस तैयार है लेमन राइस। सब्जियां एड कर रहे हैं तो बारीक काटें और तड़का में ही नम होने तक स्टर फ्राई कर लें।

दही सैंडविच करें लंच में पैक

बच्चों के लंच बॉक्स के लिए ये भी एक अच्छी ऑप्शन है कि आप दही सैंडविच बनाकर पैक कर दें। इसके लिए आपको हंग कर्ड चाहिए होगा। इसमें आप हरी मिर्च, गाजर, खीरा, ककड़ी, शिमला मिर्च, टमाटर जैसी सब्जियों को बारीक काटकर मिलाएं। मल्टी ग्रेन ब्रेड में इसकी एक मोटी लेयर लगाएं और दूसरी कोक ऊपर से चिपका दें। इसे आप बटर में सुनहरा होने तक सेंक लें।

लोगों को ज्यादा सफाई देने की आदत से पाना चाहते हैं छुटकारा

लोगों को ज्यादा सफाई देना एक आम समस्या है, जो हमारे आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है। यह आदत न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि कामकाजी जीवन में भी दिक्कतें पैदा कर सकती है। इसकी वजह से हर काम प्रभावित होता है और तनाव बना रहता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप इस आदत को सुधार सकते हैं और अधिक आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकते हैं।

अपनी बात साफ तरीके से रखें

लोगों को ज्यादा सफाई देने से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी बात को साफ और छोटे तरीके से रखें। जब आप किसी से बात कर रहे हों तो कोशिश करें कि आपका संदेश सीधा हो और उसमें फालतू की जानकारी न दें। इससे सामने वाले को आपकी बात समझने में आसानी होगी और आपको बार-बार अपनी बात दोहराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे आप अपने मन में उस बात को बार-बार दोहराना बंद कर देंगे।

खुद को जांचें

खुद को ज्यादा समझाने की आदत को सुधारने के लिए खुद का आकलन करना जरूरी है। इसके लिए आपको अपने विचारों और भावनाओं पर ध्यान देना होगा। सोचिए कि क्या आप जो बात लोगों को समझा रहे हैं, वह असल में मायने भी रखती है या नहीं। अगर आपको लगता है कि लोगों को आपकी बात पहले ही समझ आ गई है तो ज्यादा जानकारी देने की जरूरत नहीं है। इससे आप खुद को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाएंगे।

सीमाएं तय करें

ज्यादा सफाई देने की आदत से बचने के लिए सीमाएं तय करना बहुत जरूरी है। जब आप किसी बातचीत या स्थिति में हों तब यह तय करें कि आपको कितनी जानकारी साझा करनी है और कितनी नहीं। इससे न केवल आपकी बात साफ होगी, बल्कि सामने वाले को भी आपकी बात समझने में आसानी होगी। इसके अलावा यह आदत आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगी और आप अधिक प्रभावी ढंग से संवाद कर पाएंगे।

सुनने की आदत डालें

ज्यादा सफाई देने की आदत को सुधारने के लिए सुनने की आदत डालना बहुत अहम है। जब आप दूसरों की बात ध्यान से सुनते हैं तो आपको समझ आता है कि उनको आपकी बात पहले ही समझ आ गई है। इससे आपको बार-बार अपनी बात दोहराने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आपकी बातचीत अधिक प्रभावी होगी। इसके अलावा इससे आपके रिश्ते भी बेहतर होंगे और आप दूसरों के नजरिए को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे।

सकारात्मक सोच रखें

ज्यादा सफाई देने की आदत को सुधारने के लिए सकारात्मक सोच रखना बहुत अहम है। जब आप सकारात्मक नजरिए से सोचते हैं तो आपकी आत्मविश्वास बढ़ता है और आप बिना किसी दबाव के अपनी बात रखते हैं। इसके अलावा सकारात्मक सोच रखने से आप दूसरों की प्रतिक्रिया को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और आपकी बातचीत अधिक प्रभावी होती है। यह आदत आपके मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है।

इंडिगो ने 275 रुपये से 10,000 रुपये तक फ्यूल चार्ज बढ़ाने की घोषणा की, कई रूट्स पर हवाई किराए बढ़ेंगे

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बाद दो अप्रैल से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 275 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक का संशोधित ईंधन शुल्क लगाना शुरू करेगी।

ईंधन शुल्क में इस बढ़ोतरी से विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के हवाई किराए बढ़ने तय हैं। एयरलाइन की यह घोषणा उस दिन आई है, जब विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में संशोधन किया गया और सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए कीमतों में 25 प्रतिशत की आंशिक बढ़ोतरी का फैसला किया।

पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की कीमतों में आए उछाल के मद्देनजर एयरलाइन 14 मार्च से ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों पर 425 रुपये से 2,300 रुपये तक का ईंधन शुल्क वसूल रही है। घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर संशोधित ईंधन शुल्क 275 रुपये से 950 रुपये के बीच होगा।

इंडिगो ने एक बयान में कहा, इंडिगो ने अलग-अलग यात्रा दूरियों के हिसाब से अपने घरेलू ईंधन शुल्क को फिर से निर्धारित किया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के मामले में, दूरी के आधार पर ईंधन शुल्क 900 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक होगा।

बयान में कहा गया, अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पिछले महीने में एटीएफ की कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिसके चलते इन मार्गों पर एयरलाइन की परिचालन लागत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। ये संशोधित शुल्क दो अप्रैल को रात 00:01 बजे से लागू होंगे।

एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मोबाइल सेवा प्रदाता बनी

भारती एयरटेल ने ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन (जीएसएमए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वह 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। जीएसएमए यह एक वैश्विक व्यापारिक निकाय है जो मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों और मोबाइल इकोसिस्टम में मौजूद कंपनियों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। यह प्रौद्योगिकी, पॉलिसी और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए भी काम करता है।

एयरटेल ने जीएसएमए इंटेलिजेंस के आंकड़ों का हवाला देकर कहा, 'मोबाइल ग्राहक आधार के मामले में भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है, और इसका परिचालन भारत और अफ्रीका में फैला हुआ है।'

2026 के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दुनिया के दूरसंचार बाजार में चाइना मोबाइल अपने एक अरब से अधिक ग्राहकों के साथ पहले नंबर है। वहीं भारती एयरटेल करीब 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। इसमें भारत के अलावा 14 अफ्रीकी देशों में भी इसकी मजबूत मौजूदगी शामिल है। दूसरी ओर रिलायंस जियो तकरीबन 50 करोड़ ग्राहकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

दुनिया की टॉप चार दूरसंचार कंपनियां

कंपनी	देश	ग्राहकों की संख्या
चाइना मोबाइल	चीन	100.39 करोड़
भारती एयरटेल	भारत	60 करोड़
रिलायंस जियो	भारत	51.76 करोड़
चाइना टेलीकॉम	चीन	42.34 करोड़

भारती एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्टल ने कहा, '...हम नवाचार, विश्वसनीयता और अनुभव के स्तर को और ऊंचा उठाने की कोशिश करेंगे ताकि ग्राहक के साथ हर बातचीत विश्वास अर्जित करने और मूल्यवान संबंध प्रदान करने का एक अवसर हो।'

कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि ये आंकड़े 31 मार्च तक उपलब्ध संख्याओं पर आधारित हैं। एयरटेल ने कहा कि भारत में उसके 368 मिलियन से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं और अफ्रीका के 14 देशों में 179 मिलियन से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी ने बयान में कहा, 'अपने क्षेत्रीय केंद्रों से परे, एयरटेल यूटेलसैट वनवेब और स्पेसएक्स के साथ रणनीतिक साझेदारी जरिए डिजिटल विभाजन को कम कर रहा है, और दूरस्थ समुद्री, विमानन और ग्रामीण क्षेत्रों में तेज गति, कम विलंबता वाला ब्रॉडबैंड पहुंचाने के लिए निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) उपग्रहों के एक समूह का इस्तेमाल कर रहा है।'

आयुष्मान कार्ड से करवा सकते हैं मुफ्त इलाज, जानें कैसे बनवाएं ये कार्ड और फायदा भी जानें

भारत सरकार पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाती है। अगर आप भी इस योजना के लिए पात्र हैं तो आप ये कार्ड बनवा सकते हैं।

क्या आप किसी सरकारी योजना से जुड़े हैं, अगर नहीं तो आप पात्र होने पर देश में चलने वाली उन योजनाओं से जुड़ सकते हैं जो चल रही हैं। अलग-अलग तरह की कई सारी योजनाएं देश में चल रही हैं और इन योजनाओं से एक बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। जैसे, एक योजना है प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना जिसे भारत सरकार चलाती है। इस आयुष्मान भारत योजना से एक बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं और इस योजना का लाभ ले रहे हैं।

दरअसल, भारत सरकार आयुष्मान बारत योजना के तहत पात्र लोगों के पहले आयुष्मान कार्ड बनाती है और फिर इस कार्ड से आप मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। पर क्या आप जानते हैं आप ये आयुष्मान कार्ड कैसे बनवा सकते हैं? शायद नहीं, तो आप यहां जान सकते हैं कि आप कैसे आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं और इस कार्ड के जरिए आपको क्या लाभ मिलता है। तो चलिए जानते हैं इस बारे में। आप आगे इसके बारे में विस्तार से जान सकते हैं...

योजना में मिलने वाला लाभ

अगर आप आयुष्मान कार्ड बनवा लेते हैं तो आपको इसका फायदा ये मिलता है कि आप इस कार्ड से मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। कार्डधारक को सालाना 5 लाख रुपये की लिमिट मिलती है यानी कार्डधारक साल भर में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं जिसका खर्च सरकार उठाती है।

इन अस्पतालों में करवा सकते हैं इलाज

आपका अगर आयुष्मान कार्ड बन चुका है तो आप इस कार्ड से मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। ये इलाज आप उन अस्पतालों में करवा सकते हैं जो अस्पताल इस योजना में पंजीकृत हैं। आपके शहर का जो भी अस्पताल इस योजना में रजिस्टर्ड है आप उसमें मुफ्त इलाज करवा सकते हैं जिसमें कई सरकारी और प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं।

आयुष्मान कार्ड बनवाने का तरीका जान लें :-

स्टेप 1

आप अगर आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए पात्र हैं तो आप इस कार्ड को बनवा सकते हैं

इसके लिए आपको सबसे पहले अपने नजदीकी सीएससी सेंटर पर जाना होता है

यहां जाकर आपको संबंधित अधिकारी से मिलना है

फिर अधिकारी द्वारा आपकी पात्रता चेक की जाती है

स्टेप 2

अगर आप पात्र होते हैं तो इसके बाद आपके दस्तावेजों को वेरिफाई किया जाता है

फिर जब सबकुछ सही पाया जाता है तो आपका आवेदन कर दिया जाता है

अब कुछ समय बाद आपका आयुष्मान कार्ड बनकर आ जाता है

आप इस आयुष्मान कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं और मुफ्त इलाज का लाभ ले सकते हैं

ईरान जंग में कुछ दिन के लिए होगा युद्ध विराम

तेहरान, एजेंसी। ईरान अमेरिका-इजराइल युद्ध में रूस सीजफायर कराने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ये सीजफायर पूर्ण संघर्ष विराम न होकर कुछ दिनों के लिए हो सकता है। दरअसल रूस ऐसा जंग रुकवाने के लिए नहीं बल्कि अपने नागरिक को सुरक्षित ईरान से निकालने के लिए कर रहा है। ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट में करीब 400 से 700 रूसी कर्मचारियों के काम करने की खबरे हैं, जिनमें से कई को ईरान से निकाल लिया गया है।

रूस का कहना है कि वह अमेरिका और इजराइल से युद्ध विराम पर सहमत होने के लिए कहेगा। रूस को इस युद्धविराम की ज़रूरत इसलिए है ताकि वह ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपने और कर्मचारियों को सुरक्षित रूप से निकाल सके। यह जानकारी गुरुवार को RIA समाचार एजेंसी ने दी।

रूसी परमाणु कंपनी ने दी जानकारी

रूस की सरकारी परमाणु कंपनी रोसाटॉम के प्रमुख एलेक्सी लिहाचेव हैं। उन्होंने कहा कि रूस, इजराइल और अमेरिका को उन रास्तों के बारे में बताएगा जिनसे होकर उसके लोग वहां से निकलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि रूस सभी उपलब्ध माध्यमों का इस्तेमाल करके दोनों देशों से यह अनुरोध करेगा कि जब काफिला गुजर रहा हो, तो वे युद्धविराम का पूरी सख्ती से पालन करें।

200 रूसी नागरिकों को निकालेगा रूस

लिखाचेव ने कहा कि लगभग 200 लोगों को निकालने की अंतिम लहर अगले हफ़्ते के लिए अस्थायी रूप से निर्धारित है। रूस ने बुशेहर में ईरानी परमाणु रिएक्टर बनाया था और रोसाटॉम के कर्मचारी वहां अतिरिक्त यूनिटों के निर्माण पर काम कर रहे हैं। अमेरिका ने धमकी दी है कि वह ईरना पर एक बड़ा हमला करेगा। वहीं ट्रंप प्रशासन के अधिकारी ईरान को स्टोन ऐज में पहुंचाने की बात कर रहे हैं। अब रूस का ये कदम इस बात का संकेत देता है कि ईरान पर एक बड़ा हमला हो सकता है।

ईरान ने मार गिराया अमेरिका का F-35 विमान, 15 दिन में दूसरा फाइटर जेट किया ढेर

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सेना ने सेंटर ईरान के मरकजी प्रांत में एक अमेरिकी F-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। ईरान के खातिम अल-अंबिया मुख्यालय ने ये दावा किया है। अल-जजीरा की खबर के मुताबिक मलबे की जांच में विमान पर ब्रिटेन के लेकनहीथ एयर बेस (Lakenheath Air Base) के निशान मिले हैं। यह एयरबेस अमेरिकी वायुसेना के लिए ब्रिटेन में एक महत्वपूर्ण अड्डा है। फिलहाल, विमान के पायलट और मिशन के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

इससे पहले 19 मार्च को ईरान ने अमेरिकी F-35A फाइटर जेट को गिराने की बात कही थी। साथ ही उन्होंने इसका वीडियो भी जारी किया था। वीडियो में विमान पर हमला होता तो दिख रहा है, लेकिन उसके क्रैश होने की पुष्टि नहीं हुई। कुछ रिपोर्टों के मुताबिक एयरक्राफ्ट को नुकसान हुआ, पायलट को मामूली चोटें आईं लेकिन वह स्थिर रहा और पायलट बच गया और प्लेन क्रैश नहीं हुआ। बाद में इसने मिडिल ईस्ट में एक US एयर बेस पर सफलतापूर्वक इमरजेंसी लैंडिंग की।

ईरान ने जारी किए विमान के टुकड़ों के कई फोटो

ईरान ने इस बार F-35 के कई टुकड़ें के फोटो जारी किए हैं, क्योंकि ईरान के पिछले दावों को अमेरिका ने खारिज किया था। ईरान की मेहर न्यूज़ एजेंसी ने कहा कि क्रैश से हुए ज़ोरदार धमाके की वजह से पायलट का इजेक्ट कर पाना मुश्किल था। US सेंट्रल कमांड ने इन पोस्ट्स पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन IGRC के उस पहले के दावे को गलत बताया जिसमें उसने कहा था कि उसने एक US फाइटर जेट को मार गिराया है।

अमेरिका ने जंग में कितने विमान खोए

इस युद्ध में अमेरिका ने कुल 16 से 20 सैन्य विमान/ड्रोन खोए हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ कुछ ही ईरान की सीधी कार्रवाई से शॉट डाउन हुए हैं। बाकी दुर्घटनाएं, फ्रेंडली फायर में गिरे। ईरान ने 9 से 12 तक MQ-9 Reaper ड्रोन्स गिराए हैं। वहीं ईरान का दो F-35 गिराने का दावा है, जिसमें से एक को CENTCOM ने खारिज कर दिया है। अन्य दावे (F-15, F-16 आदि) ईरान की तरफ से आए, लेकिन अमेरिका ने इन्हें झूठा बताया। वहीं F-15E Strike Eagle के 3 विमान कुवैत की एयर डिफेंस से फ्रेंडली फायर में गिरे हैं।

जिसे ट्रंप मानते थे सबसे भरोसेमंद, वो भी नहीं बचा पाईं अपनी कुर्सी ; कोर्ट में थीं यूएस राष्ट्रपति की 'आवाज'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपनी भरोसेमंद अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी को बर्खास्त कर दिया। यह फैसला उनके काम से बढ़ती नाराजगी के बाद लिया गया है। खास बात यह है कि पाम बॉन्डी को ट्रंप के सबसे वफादार लोगों में गिना जाता था, वह अक्सर कोर्ट में ट्रंप की आवाज बनकर बोलती थीं। लेकिन यह वफादारी भी उनकी कुर्सी नहीं बचा सकी।

जानकारी के मुताबिक ट्रंप इस बात से बहुत नाराज थे कि पाम बोंडी के नेतृत्व में जस्टिस डिपार्टमेंट ने दोषी सेक्स अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को सही तरीके से हैंडल नहीं किया। इसके अलावा, ट्रंप को यह भी नागवार गुजरा कि बोंडी ने उन लोगों के खिलाफ कानूनी केस जल्दी से नहीं किए, जिन्हें ट्रंप अपना विरोधी मानते हैं।

पद से हटने के बाद क्या बोलीं बोंडी?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अटॉर्नी जनरल के पद से हटाए जाने के बाद पाम बॉन्डी ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। बॉन्डी ने गर्व से कहा कि उन्होंने अमेरिकी इतिहास में न्याय विभाग के सबसे महत्वपूर्ण पहले साल की देखरेख की और आगे कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझ पर जो भरोसा दिखाया, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

कौन संभालेगा अब कमान?

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि अब डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांच अस्थायी रूप से जस्टिस डिपार्टमेंट की कमान संभालेंगे। टॉड ब्लांच पहले ट्रंप के निजी वकील रह चुके हैं। अपनी प्रतिक्रिया में पाम बोंडी ने कहा, "डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच उनकी जगह लेंगे, जबकि वह निजी क्षेत्र में कदम रख रही हैं। एक ऐसा करियर बदलाव जिसके लिए वह बेहद उत्साहित हैं।"

ईरान के हमले से हवा में आग का गोला कैसे बन जा रहा F-35 फाइटर जेट, जंग में टूटा ट्रंप का घमंड

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका के सबसे उन्नत एफ-35 फाइटर जेट को मार गिराने का दावा किया है। यह दूसरी बार है, जब जंग में ईरान ने अमेरिका के एफ-35 को हवा में ही आग का गोला बनाने की बात कही है। एफ-35 को अमेरिका का सबसे उन्नत फाइटर जेट माना जाता है। यह पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू जेट है। यह एक ऐसा फाइटर जेट है, जिसे रडार भी नहीं पकड़ सकता है। इस फाइटर जेट की कीमत औसतन 1200 करोड़ रुपए है। इसे अमेरिका का घमंड भी कहा जाता है, क्योंकि पूरी दुनिया में इसके मुकाबले का फाइटर जेट बहुत कम ही देशों के पास है। ऐसे में इस जेट को मामूली तरीके से मार गिराना ईरान के लिए बड़ी बात है। सवाल उठ रहा है कि ईरान यह कारनामा कैसे कर पा रहा है?

F-35 गिराने को लेकर ईरान ने क्या कहा है?

फारस न्यूज एजेंसी के मुताबिक मध्य तेहरान में जब एफ-35 हवाई हमले के लिए उड़ रहा था, तभी उसे मार गिराया गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इसको लेकर ज्यादा टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले 19 मार्च को एक ऑपरेशन के दौरान ईरान ने एफ-35 पर हमला किया था, जिसके बाद इसमें आग लग गई। हालांकि, जेट के पायलट ने इसकी सुरक्षित लैंडिंग कर ली, लेकिन विमान बच नहीं पाया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अब यह विमान सर्विस के लायक नहीं बचा है।

सवाल- ईरान कैसे कर रहा है यह कारनामा?

1- साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट में एफ-35 को गिराने के लिए चीन के एक इंजीनियर के सलाह पर ईरान के काम करने की संभावनाएं जाहिर की गई है। दरअसल, चीन के एक इंजीनियर ने हाल ही में एक वीडियो बनाया था, जिसमें यह बताया गया था कि कैसे एफ-35 को आसानी से मार गिराया जा सकता है। इस वीडियो को फारसी सब टाइटल के साथ तैयार किया गया है। इसमें यह बताया गया है कि कैसे इन्फ्रारेड मिसाइलों, मोबाइल लॉन्चरों और तात्कालिक सेंसरों जैसे आसानी से उपलब्ध कम लागत वाले हथियार से एफ-35 को मारा जा सकता है। कहा जा रहा है कि इस वीडियो को अब तक 4 करोड़ लोगों ने देखा है। ईरान में यह खूब वायरल हो रहा है।

2- सीएनएन ने अमेरिका खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के हवाले से 19 मार्च को एक रिपोर्ट की। इसमें कहा गया कि एफ-35 पर ईरान ने फायरिंग की, जिससे फाइटर जेट का संतुलन बिगड़ गया। इसकी वजह से विमान को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हालांकि, अमेरिका की सरकार इसे आधिकारिक रूप से मानने से इनकार कर दिया।

अरहामा एनकाउंटर पर राज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश, परिवार ने राशिद को बताया निर्दोष

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों ने 1 अप्रैल को गंदरबल जिले के अरहामा में एक शख्स का एनकाउंटर किया था, जिसकी पहचान राशिद अहमद मुगल के तौर पर हुई है। सुरक्षा बलों ने राशिद को आतंकी बताया है तो वहीं परिवार का आरोप है कि ये एक फर्जी एनकाउंटर है, जिसमें निर्दोष को मार दिया गया। इस मामले में अब जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंहा ने फर्जी एनकाउंटर में जांच बुलाई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मैंने अरहामा, गांदरबल की घटना की गहन और निष्पक्ष मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। यह जांच घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि न्याय मिले।

इस मामले पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने 2 अप्रैल को कहा था कि मेरा मानना है कि परिवार के दावे को सीधे-सीधे खारिज नहीं किया जाना चाहिए। कम से कम ये मुठभेड़ की एक पारदर्शी और समय-सीमा के भीतर जांच होनी चाहिए और इससे जुड़ी जानकारी को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा था कि जांच की घोषणा को टालने या उसमें देरी करने का कोई भी प्रयास केवल विश्वसनीयता को ही नुकसान पहुंचाएगा और ये किसी के भी हित में नहीं है।

महबूबा मुफ्ती का आरोप

महबूबा मुफ्ती ने इस मामले पर कहा कि आरोप लग रहे हैं कि गांदरबल एनकाउंटर फर्जी है। उन्होंने मीडिया से कहा कि दो दिन पहले अरहामा में एक एनकाउंटर हुआ था, जिसमें 29 साल का एक नौजवान राशिद मुगल मारा गया था। आरोप हैं कि यह एक फर्जी नकाउंटर है। सेना ने पहले कहा था कि वह एक विदेशी आतंकवादी था, लेकिन बाद में कहा कि वह स्थानीय था और आतंकवाद से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि वह एक अनाथ था और एक NGO चलाता था। उन्होंने उसका शव परिवार को नहीं दिया, बल्कि उसे बारामूला में दफना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमारे नौजवानों के साथ यही हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट को बंदर भगाने वाले कर्मचारियों की तलाश, जारी हुआ टेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। जजों के रिहायशी बंगलों में बंदरों की समस्या ज्यादा बढ़ने की वजह से अब सुप्रीम कोर्ट ने एक टेंडर नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में ऑनलाइन बोली का जिक्र किया गया है। इसमें लगभग 100 प्रशिक्षित कर्मचारियों की मांग की गई है। ताकि वो यहां पर बंदरों को पकड़ सकें और इन्हें यहां से भगा सकें। ये ऑनलाइन बोलियां इसलिए लगाई गई हैं ताकि इसको लेकर काम करने को इच्छुक एजेंसियां अपना प्रस्ताव पोर्टल पर जमा करा सकती हैं। नोटिस में कहा गया कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल के जरिए जारी एक नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसका इरादा बाजार से वेंडर और एजेंसियां ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित करने का है ताकि ऐसे कर्मचारी उपलब्ध कराए जा सकें जिन्हें बंदर भगाने वाले, पकड़ने वाले याह हटाने वाले के तौर पर यहां नियुक्त किया जाए। इन कर्मचारियों का काम जजों के रिहायशी बंगलों, सुप्रीम कोर्ट गेस्ट हाउस और कोर्ट के अन्य परिसरों से बंदरों को भगाना होगा। यह काम दो साल की अवधि के लिए प्रस्तावित है। टेंडर डॉक्यूमेंट के मुताबिक, कर्मचारियों को भारत के सुप्रीम कोर्ट से लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में स्थित जजों के लगभग 35 से 40 रिहायशी बंगलों में तैनात किया जाएगा।

खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं... एक्शन के बाद बोले राघव चड्ढा, आम आदमी को दिया मैसेज

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी ने सदन में पार्टी के उपनेता के पद से हटाने का फैसला किया है। पार्टी के इस फैसले पर आज राघव चड्ढा ने एक वीडियो संदेश जारी किया और कहा कि मैं खामोश करवाया गया हूं, लेकिन हारा नहीं हूं। यह मेरा 'आम आदमी' को संदेश है। राज्यसभा में राघव के उपनेता होने का मतलब ये था कि वो उन्हें पार्टी के कोटे का समय अपना बयान देने के लिए मिलता था। इस फैसले के बाद ऐसा नहीं हो पाएगा। आम आदमी पार्टी ने उनकी जगह अशोक मित्तल को उपनेता बनाने का निर्णय किया है।

राघव चड्ढा ने आज शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने वीडियो पोस्ट में कहा, "खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं। 'आम आदमी को मेरे संदेश।" उन्होंने अपने इस वीडियो में कहा कि संसद में मैंने ज्यादातर ऐसे मसले उठाए जिसे आमतौर पर संसद में नहीं उठाया जाता। जिन पर चर्चा नहीं की जाती थी, तो क्या इस तरह के मसले उठाना अपराध है। कोई गुनाह है।

कल भी पोस्ट किया था एक वीडियो

इससे पहले राघव चड्ढा ने कल गुरुवार रात को भी सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने सदन में पार्टी के उपनेता के रूप में उठाए गए मुद्दों की बात की। राज्यसभा सांसद ने यह वीडियो उन्हें पद से हटाए जाने के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने उस वीडियो में मध्यम वर्ग पर लगातार बढ़ते टैक्स का बोझ, डेटा की समय सीमा खत्म होने की समस्या, भारत में पितृत्व अवकाश का अधिकार और एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सामान के शुल्क जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया है।

लंबी चुप्पी के बाद AAP ने लिया फैसला

इससे पहले आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर चड्ढा को सदन में पार्टी के उपनेता पद से हटाने का अनुरोध किया और उनकी जगह पंजाब से सांसद अशोक मित्तल का नाम प्रस्तावित किया। सूत्रों के अनुसार, पत्र में यह गुजारिश की गई है राघव चड्ढा को संसद में बोलने के लिए AAP के निर्धारित कोटे से समय आवंटित नहीं किया जाना चाहिए। चड्ढा पंजाब से राज्यसभा सदस्य हैं। चड्ढा एक समय में AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बेहद करीबी और विश्वासपात्र माने जाते थे। लेकिन राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाए जाने के फैसले ने AAP से जुड़े मामलों पर चड्ढा की लंबे समय से चली आ रही चुप्पी और केजरीवाल के कई सार्वजनिक कार्यक्रमों से उनकी अनुपस्थिति के बीच उठाया गया।

देश के सबसे युवा सांसदों में से एक माने जाने वाले चड्ढा ने AAP को आगे बढ़ाने और उसके कार्यों में अहम भूमिका निभाई थी। खासकर पंजाब और दिल्ली में AAP के कार्यकाल के दौरान उनकी भूमिका अहम रही। लेकिन पिछले कुछ समय से संबंधों में गिरावट आती गई। वहीं चड्ढा की जगह पार्टी के उपनेता बनाए गए मित्तल ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने उन्हें राज्यसभा में AAP के उपनेता की भूमिका सौंपी है और वह पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। साथ ही सदन में पार्टी के रुख और राष्ट्रीय हितों, दोनों को जोरदार ढंग से पेश करेंगे।

इंटीमेट सीन्स फिल्माते हुए फूले इन सितारों के हाथ-पांव, किसी के छूटे पसीने तो कोई हुआ मिनटों में गायब

बॉलीवुड की बहुत सी फिल्मों में बोल्ड सीन्स होते हैं जिसे दर्शक काफी पसंद भी करते हैं। दमदार अभिनय करने वाले सितारे इन बोल्ड सीन्स को भी बेहद शानदार तरीके से पर्दे पर पेश करते हैं। हालांकि, ये सीन्स पर्दे पर तो बहुत सहज लगते हैं, लेकिन कई बार सितारों को ऐसे सीन्स शूट करने में काफी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं उन सितारों के बारे में, जिन्हें बोल्ड सीन शूट करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था।

सनी लियोनी

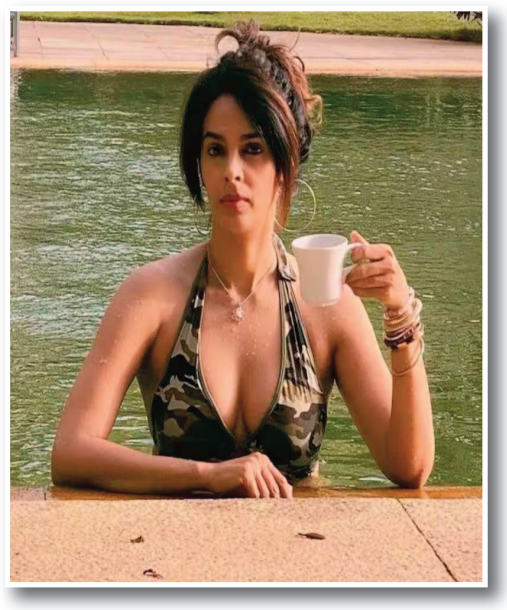

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी का नाम इस लिस्ट में होना थोड़ा चौंकाता है, क्योंकि सनी पूर्व एडल्ट स्टार थीं। हालांकि, सनी के लिए भी फिल्मों में बोल्ड सीन शूट करना आसान नहीं था। फिल्म 'रागिनी एमएमएस 2' में सनी को सबसे ज्यादा दिक्कत शावर सीन शूट करने में हुई थी। पहले तो अभिनेता को सनी के साथ शूट करने में थोड़ी शर्म आ रही थी, लेकिन बाद में जब बाथरूम के अंदर सीन शूट होना शुरू हुआ तो कैमरा मैन के साथ दस बारह लोगों की टीम उस छोटे से रूम में आ गई। इसी वजह से सनी को भी शर्म आने लगी। हालांकि, सनी ने इन सारी बातों से ध्यान हटाया और फिर सीन पूरा किया।

जरीन खान

जरीन खान ने अपने करियर की शुरूआत सलमान खान की फिल्म 'वीर' से की थी। इस फिल्म में जरीन को देखने के बाद लोगों का लगा था कि वे कभी बोल्ड फिल्में नहीं करेंगी। वहीं जरीन ने फैंस की इस धारणा को बदला और एक के बाद एक बोल्ड फिल्में कीं। हालांकि, पर्दे पर जरीन जितनी सहजता से ऐसे सीन करती दिखती हैं, उन्हें असल में ऐसे सीन शूट करने में काफी दिक्कत महसूस होती है। जरीन ने फिल्म 'हेट स्टोरी 3' के बारे में बात करते हुए बताया था कि उन्हें इस फिल्म में बोल्ड सीन देने में काफी हिचक महसूस हो रही थी। उस वक्त उनकी मां ने उनकी हिम्मत बढ़ाई थी और कहा था कि ये आम बात है।

मल्लिका शेरावत

फिल्मों में बोल्ड सीन देने के लिए मशहूर मल्लिका शेरावत ने कभी भी पर्दे पर ऐसे सीन करने में हिचक महसूस नहीं की, लेकिन 'डर्टी पॉलिटिक्स' में उन्हें अभिनेता ओम पुरी के साथ बोल्ड सीन देते हुए बेहद परेशानियां हुईं। एक इंटरव्यू के दौरान मल्लिका से पूछा गया कि ओमपुरी के साथ बोल्ड सीन देने में वे कितनी सहज थीं, तो उन्होंने कहा मैं सहज नहीं थी, लेकिन उन्होंने मुझे सहज महसूस करवाया।

रणबीर कपूर

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर फिल्मों में सीरीयल किसर के नाम से मशहूर हैं। हालांकि फिल्म ऐ दिल हैं मुश्किल में रणबीर कपूर को ऐश्वर्या के साथ इंटीमेट सीन देने थे। ऐसे सीन की शूटिंग में रणबीर को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। खबरों की मानें तो ऐश से कहीं ज्यादा रणबीर को उनके साथ ऐसे सीन करने में दिक्कत महसूस हो रही थी। उस वक्त ऐश्वर्या ने उन्हें समझाया था कि ये सिर्फ एक्टिंग है और इसमें घबराने जैसी कोई बात नहीं है। इसके बाद रणबीर ने ऐश के साथ ऐसे बोल्ड सीन सहजता के साथ दिए थे।

सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल, बोलीं– शूटिंग करने आई थीं, लेकिन शहर के आकर्षण में खो गई

अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी।

फिल्म और म्यूजिक की दुनिया में अक्सर शूटिंग लोकेशन्स कलाकारों के लिए बेहद खास होती हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री मौनी रॉय ने किया, जब उन्होंने सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो सॉसी की शूटिंग की। इस गाने में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है। मौनी रॉय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास बन गया। उन्होंने कहा, इस खूबसूरत देश को पहली बार एक्सपीरियंस करना और उसी दौरान शूटिंग करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी। मौनी ने कहा, शूटिंग के दौरान मैं शहर के अलग-अलग हिस्सों में गई और हर जगह का अलग ही अनुभव था। कभी शहर बहुत तेज रफ्तार और हलचल भरा लगता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। धीरे-धीरे मुझे इस शहर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मैं यहां काम करने आई थी, लेकिन इस शहर के आकर्षण में कहीं खो सी गई। मैं दोबारा जरूर सिंगापुर आना चाहूंगी।

गाना सॉसी गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम वॉकिंग ऑन वॉटर का हिस्सा है।

डिवाइन ने इस गाने को लेकर कहा कि वह एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जिसे लोग आसानी से सुन सकें और अच्छा महसूस करें। यह गाना एक अलग तरह की वाइब देता है, जिसमें म्यूजिक और एनर्जी दोनों है। उन्होंने कहा, रियार साब के साथ मेरी केमिस्ट्री हमेशा अच्छी रही है और मौनी रॉय के साथ काम करने से यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया। जब शूटिंग के लिए लोकेशन तय की जा रही थी, तो सिंगापुर सबसे सही जगह लगा। मुझे इस शहर की तेज रफ्तार अंदाज काफी पसंद आया। वहीं, रियार साब ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, डिवाइन के साथ काम करना हमेशा आसान और मजेदार होता है। सॉसी ऐसा गाना है जिसमें शुरुआत से ही सही एनर्जी थी। सिंगापुर में शूटिंग करना एक अलग और खास अनुभव था। हमने इस गाने में अपना पंजाबी अंदाज जोड़ने की कोशिश की है, ताकि लोग इसे सुनकर एंजॉय कर सकें।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com